• जयपुर, बुधवार 26 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 296 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

देश के कई राज्यों में तेजी से फैल रहा एच1एन1 वायरस

बढ़ते मामलों के बीच लोगों की बढ़ गई है चिंता, सरकार ने जारी की सख्त एडवाइजरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश में मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने स्पष्ट किया है कि भारत में एच1एन1 का कोई नया या अधिक खतरनाक स्वरूप सामने नहीं आया है। वर्तमान में फैल रहा वायरस ए/मिसौरी/11/2025 (एच1एन1) पीडीएम09 जैसा है और यह क्लेड 6बी.1ए.5ए2ए तथा उप-क्लेड डी.3.1.1 से संबंधित है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्वरूप वर्ष 2025 से लगातार फैल रहा है। इसलिए फिलहाल किसी नए एच1एन1 स्वरूप के सामने आने की बात नहीं है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 सामान्यतः अपने आप ठीक होने वाला संक्रमण है। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, सिरदर्द और शरीर में दर्द शामिल हैं। अधिकांश लोग उचित देखभाल और पर्याप्त आराम से स्वस्थ हो जाते हैं।

हालांकि, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों में संक्रमण के कारण गंभीर जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने सलाह दी है कि यदि लक्षण लंबे समय तक बने रहें, बढ़ जाएं या गंभीर रूप धारण करें तो चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह नियमित निगरानी के माध्यम से देश में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा

है और आवश्यकता के अनुसार सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय किए जा रहे हैं।

मानसून के इस मौसम में देश के विशेषकर बड़े शहरों में मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में इस वर्ष अब तक एच1एन1 के 1,777 पुष्ट मामले सामने आए हैं। इनमें 20 अगस्त को सामने आए 114 नए मामले भी शामिल हैं।

कर्नाटक में 4,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें आधे से अधिक मामले बेंगलुरु से बताए गए हैं। मुंबई, चेन्नई और केरल के कुछ हिस्सों में भी इन्फ्लूएंजा के मामलों में वृद्धि की सूचना मिली है।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, महामारी के बाद वर्ष 2021 में एच1एन1 के मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही थी। उस वर्ष 778 मामले और 12 मौतें दर्ज की गई थीं। वर्ष 2022 में मामलों में तेज वृद्धि हुई और 13,202 मामले तथा 410 मौतें दर्ज की गईं।

वर्ष 2023 में भी एच1एन1 के 8,125 मामले और 129 मौतें दर्ज की गईं। जून 2024 तक देश में 7,215 मामले और 150 मौतें सामने आ चुकी थीं। वर्ष के अंत तक यह संख्या और बढ़ी। वर्ष 2025 की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की रिपोर्ट में भी कई राज्यों में एच1एन1 के लगातार प्रसार की जानकारी सामने आई थी।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र देशभर में इन्फ्लूएंजा की निगरानी का नेटवर्क संचालित करता है। केंद्र एच1एन1 के उपचार और रोकथाम से संबंधित राज्यवार आंकड़े तथा दिशा-निर्देश जारी करता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के आधार पर मौसमी इन्फ्लूएंजा के टीके की भी सलाह दी जाती है। निगरानी तंत्र के माध्यम से वायरस के स्वरूप में होने वाले बदलावों पर नजर रखी जाती है।

वर्ष 2025-26 के मौसम में भारत में फैलने वाले एच1एन1 वायरस का टीके में शामिल घटकों से पर्याप्त मेल पाया गया था। मौसमी इन्फ्लूएंजा का टीका मुख्य रूप से एच1एन1, एच3एन2 और बी/विक्टोरिया जैसे प्रमुख स्वरूपों से सुरक्षा प्रदान करता है।

भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें: भीड़भाड़ वाली और बंद जगहों पर मास्क पहनने से सांस के माध्यम से निकलने वाली बूंदों तथा सूक्ष्म कणों के संपर्क में आने का जोखिम कम किया जा सकता है।

खांसते और छींकते समय मुंह-नाक ढकें: खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल, कागज के नैपकिन या कोहनी के अंदरूनी हिस्से से ढकें। सीधे हाथों पर खांसने या छींकने से बचें।

नियमित रूप से हाथ धोएं: साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं, विशेषकर खांसने, छींकने और सार्वजनिक स्थानों से लौटने के बाद।

चेहरे को बार-बार छूने से बचें: बिना धुले हाथों से आंख, नाक और मुंह को छूने से बचना चाहिए, क्योंकि दूषित सतहों के संपर्क से वायरस शरीर में पहुंच सकता है।

संक्रमित व्यक्ति को अलग रखें: जिन लोगों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है, उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से यथासंभव अलग रखना चाहिए, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम हो। बिना चिकित्सकीय सलाह दवा न लें: बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक की सलाह लें। बीमार होने पर घर पर रहें: बुखार या सांस संबंधी लक्षण होने पर दूसरों के निकट संपर्क से बचें और पर्याप्त आराम करें।

न्यूज अपडेट

श्रीशैलम में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

श्रीशैलम/एजेंसी। आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम के वड्डेरा सतराम (सराय या विश्राम गृह) के कमरा नंबर 11 में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली. तीन दिन पहले हुई इस घटना का पता देर से चला.

खबर के मुताबिक, जब होटल के व्यवस्थापक कमरे से आ रही बदबू पर जांच करने गए, तो उनके होश उड़ गए. कमरे के अंदर पांच लाशें मिलने से हड×कंप मच गया. इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी. जानकारी मिलते ही आत्मकुर के डीएसपी रामंजनेयुलु ने मौके पर जाकर जांच की. श्रीशैलम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है. सराय के व्यवस्थापक ने बताया कि वे सभी लगभग एक महीने से वड्डेरा सतराम में रह रहे थे. मरने वालों की पहचान पल्लपु सुधाकर (36), मल्लेश्वरी (45), श्रीदेवी (33), गोगुला आदिलक्ष्मी (50) और मणिकंठा (15) के तौर पर हुई है, जो श्री सत्य साईं जिले के बट्टालपल्ली के रहने वाले थे. शक है कि पैसे की तंगी ही उनके सुसाइड का कारण है.

पटना में मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, लाठीचार्ज और पानी से रोका

पटना/एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के उम्मीदवारों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास तक कूच किया, इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने के लिए बैरीकेड लगाए थे, जिसे तोड़ दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार करके उनको रोकने का प्रयास किया और छात्रों पर लाठीचार्ज करके उनको तितर-बितर करने की कोशिश की गई।

छात्रों ने सुबह करीब 10 बजे गांधी मैदान से मार्च शुरू किया और मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते हुए नारे लगाए।

पुलिस ने उनको रोकने के लिए बैरीकेड लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उसे तोड़ दिया। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प शुरू हो गई।

पुलिस ने कई जगह लाठीचार्ज किया और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। हालांकि, छात्र आगे बढ़ गए।

इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शनकारी 70वीं बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं और कथित पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितताओं और रोजगार संबंधी मुद्दों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

इससे पहले छात्र, पटना के गर्दनीबाग इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में किसानों का समूह भी शामिल हो गया है।

दल-बदल मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम, तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस

नई दिल्ली/एजेंसी।

तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों की कथित दल-बदल के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका मुख्य उद्देश्य किसी संवैधानिक पदाधिकारी को नोटिस जारी करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अयोग्यता से जुड़ी कार्यवाही निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो।

यह मामला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सामने आया है। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष

ओम बिरला से पार्टी के 20 बागी सांसदों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई की। अभिषेक बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी पेश हुए, जबकि लोकसभा अध्यक्ष की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अदालत में मौजूद थे।

सुनवाई के दौरान पीठ ने शुरू में याचिका पर नोटिस जारी करने की बात कही। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि वह लोकसभा अध्यक्ष की ओर से न्यायालय में उपस्थित हैं और अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अध्यक्ष को सीधे नोटिस जारी नहीं करने का अनुरोध किया।

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने स्पष्ट किया कि मामला केवल नोटिस जारी करने का नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने का है कि पूरी कार्यवाही एक निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो।

पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि उसका उद्देश्य किसी संवैधानिक प्राधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करना नहीं है। अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि अयोग्यता से जुड़ी प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबित न रहे और समयबद्ध तरीके से पूरी हो।

तुषार मेहता ने कहा कि वह अदालत की सहायता करने के लिए मौजूद हैं और लोकसभा अध्यक्ष तथा महासचिव की ओर से अपना पक्ष रखेंगे। इसके बाद पीठ ने लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और लोकसभा महासचिव को अलग से नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं समझी।

यूपीआई के एक दशक पूरे

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अनुभव साझा करने का किया आग्रह

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई) के एक दशक पूरे होने पर इसकी परिवर्तनकारी यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने देश में तेज, सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक डिजिटल लेन-देन को नई गति प्रदान की है।

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपने यूपीआई उपयोग के अनुभव साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से यह भी बताने को कहा कि यूपीआई ने उनके दैनिक जीवन को किस प्रकार सरल, सुविधाजनक और सहज बनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले शुरू हुआ एकीकृत भुगतान अंतरफलक भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हुआ है। इसने डिजिटल लेन-देन को सरल, तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाते हुए देश में भुगतान के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव किया है।

पिछले दस वर्षों में यूपीआई की पहुंच देश के कोने-कोने तक हुई है। इसके चलते डिजिटल भुगतान आम नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। छोटे दुकानदारों से लेकर उपभोक्ताओं और कारोबारियों तक, बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा के लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई की व्यापक पहुंच और इसके लगातार विस्तार को भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

बलात्कार के दोषी राम रहीम को 21 दिन की फरलो, 2 महीने बाद फिर बाहर आया

रोहतक/एजेंसी।

बलात्कार और हत्या के मामले में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को हरियाणा सरकार की मेहरबानी से 2 महीने बाद फिर जेल से बाहर आने का मौका मिला। गुरमीत को 21 दिन की फरलो मिली। वह मंगलवार सुबह 6 बजे रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और 8 गाड़ियों के काफिले के साथ सिरसा डेरा के लिए रवाना हुआ। इससे पहले, गुरमीत को 26 मई को 30 दिन की पैरोल मिली थी।

गुरमीत को इस साल जनवरी में 40 दिन और मई में 30 दिन की पैरोल मिली थी। वह 25 जून को जेल लौटा। अब उसका पैरोल का कोटा खत्म हो गया है।

हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट 2022 के तहत जनवरी-दिसंबर तक कैदी 10 हफ्ते की पैरोल 2 हफ्ते में ले सकता है। गुरमीत इस साल 3 हफ्तों की फरलो का फायदा ले सकता है। फरलो को टुकड़ों में नहीं ले सकते और यह कभी भी ले सकते हैं।

जनवरी में गुरमीत ने अपनी मां की बीमारी बताकर 40 दिन की पैरोल ली थी। इस दौरान वह बरनावा आश्रम उत्तर प्रदेश और फिर बागपत आश्रम में रहा। वर्ष 2017 में सजा के बाद उसे सबसे पहले अक्टूबर 2020 में एक दिन की पैरोल मिली थी।

इसके बाद, फरवरी 2022 में 21 दिन की फरलो मिली। पिछले 9 साल में यह 17वीं बार जेल से बाहर आया है। वह 430 दिन से अधिक बाहर रहा है।

तीन पीजीआई चंडीगढ़ रेफर

ऊना में श्रद्धालुओं से भरा ट्रक खाई में गिरा, 40 से अधिक घायल,

ऊना/एजेसी।

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पीर निगाह के समीप मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक में सवार 40 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ट्रक में करीब 50 श्रद्धालु सवार थे।

सभी श्रद्धालु हरियाणा के करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु दो दिन पहले पीर निगाह मंदिर में दर्शन करने और भंडारा आयोजित करने के लिए पहुंचे थे। मंगलवार सुबह वे पीर निगाह से माता नैना देवी के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित होकर सड×क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा।

ट्रक के खाई में गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और खाई में गिरे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने का काम शुरू किया। हादसे की सूचना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को दी गई, जिसके बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने उनका उपचार शुरू किया।

हादसे में घायल श्रद्धालु सोमनाथ ने बताया कि ट्रक उतराई पर नीचे जा रहा

था। इसी दौरान वाहन का दबाव पाइप फट गया, जिसके कारण स्टीयरिंग ने काम करना बंद कर दिया और ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा।

हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। क्षेत्रीय अस्पताल ऊना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय मनकोटिया ने बताया कि हादसे में घायल 40 से अधिक श्रद्धालुओं को अस्पताल लाया गया था। सभी घायलों को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक बच्चे सहित तीन घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआई), चंडीगढ़ भेजा गया है। अन्य घायलों का उपचार क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में जारी है।

पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि ट्रक किस कारण अनियंत्रित हुआ और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस वाहन की तकनीकी स्थिति तथा चालक की भूमिका समेत अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

अधिकारियों ने अस्पताल प्रशासन को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन का सहयोग किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

नेताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पीर निगाह मार्ग पर पहले भी मालवाहक वाहनों से जुड़े हादसे सामने आ चुके हैं। ऐसे में प्रशासन को मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

संपादकीय

कागजों पर 'असुरक्षित' जमीन पर बेपरवाही, करोल बाग हादसे ने खोली व्यवस्था की पोल

जर्जर इमारतें सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हादसों का सबब बन रही हैं। करोल बाग हादसा प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। असुरक्षित मकानों को तुरंत खाली कराकर सख्त कदम उठाना बेहद जरूरी है। देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी एवं जर्जर इमारतें आम लोगों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कई बार स्थानीय प्रशासन की ओर से ऐसी इमारतों को 'असुरक्षित' तो घोषित कर दिया जाता है, लेकिन उन्हें खाली कराने में कोई तत्परता या गंभीरता नजर नहीं आती है।यही नहीं, कई दफा जर्जर भवन को मालिक खुद ही गिरा देते हैं, लेकिन इस कार्य में सुरक्षा के माकूल प्रबंधों का अभाव भी हादसे का कारण बन जाता है। ऐसी ही एक घटना बीते शुक्रवार को दिल्ली के करोल बाग इलाके में हुई, जब पुरानी दो मंजिला इमारत के ध्वस्तीकरण के दौरान एक श्रमिक की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस के मुताबिक, इस इमारत को गिराने के लिए सरकार के संबंधित महकमे से अनुमति नहीं ली गई थी। ऐसे में सवाल है कि अगर नियमों और सुरक्षा उपायों की अनदेखी की जाती है, तो क्या इसके लिए विभागीय अधिकारियों की भी जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए?गौरतलब है कि पुराने खस्ताहाल मकान हर साल खासकर बरसात के मौसम में लोगों की जान के लिए खतरा बन जाते हैं। यह समस्या खास तौर पर उन शहरों में ज्यादा गंभीर है, जहां घनी आबादी और पुरानी बस्तियां हैं। देश भर में जर्जर इमारतों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी दस्तावेज में असुरक्षित घोषित करने की व्यवस्था पहले से मौजूद है।मगर स्थानीय प्रशासन का इस ओर ध्यान कम ही जाता है। जिन पुराने भवनों को असुरक्षित घोषित किया जाता है, उन्हें खाली कराने, गिराने या पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी वर्षों तक अटकी रहती है। यह विभागीय लापरवाही का ही नतीजा होता है कि ऐसी इमारतें कई बार हादसों का कारण बन जाती हैं।सवाल यह भी है कि करोल बाग इलाके में इमारत का ध्वस्तीकरण विभागीय अनुमति के बिना कैसे हो रहा था? जर्जर भवनों की पहचान करना और उन्हें गिराने के कार्य की निगरानी करना किसकी जिम्मेदारी है?कायदे से असुरक्षित इमारतों का नियमित वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना चाहिए और उनकी श्रेणीबद्ध सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए। साथ ही उन्हें खाली कराने और गिराने के लिए स्पष्ट नीति एवं योजना का होना भी जरूरी है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं।

डिजिटल युग में 'सत्य' की परीक्षा- सूचना की बाढ़ में खोता सामाजिक भरोसा

(अतुल अग्रवाल)

डिजिटल क्रांति ने सूचना प्रवाह को तेज़ किया है, पर एआई डीपफेक और फेक न्यूज़ से सामाजिक भरोसा कम हुआ है। सत्य की रक्षा के लिए पारदर्शी नियमन, डिजिटल साक्षरता और जागरूक नागरिक की साझा जिम्मेदारी जरूरी है। एक समय था जब सूचनाएं समाज तक पहुंचने से पहले सत्यापन, संपादन और विवेक की अनेक कसौटियों से गुजरती थीं। अखबारों, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित समाचारों के पीछे पत्रकारिता की नैतिकता और संपादकीय उत्तरदायित्व होता था। सूचना का प्रवाह भले ही आज की तुलना में धीमा था, लेकिन उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका भरोसा था।मगर डिजिटल क्रांति ने संचार की इस पूरी संस्कृति को बदल दिया है। आज कोई अफवाह, अधूरा वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीर, किसी भाषण का काट-छांट किया गया अंश या किसी गुमनाम व्यक्ति की पोस्ट कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसी सामग्री के सही या गलत होने पर बहस बाद में होती है, लेकिन तब तक वह लोगों की सोच और सामाजिक धारणाओं को प्रभावित कर चुकी होती है।

इसलिए आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल झूठी सूचनाओं का प्रसार ही नहीं, बल्कि सत्य के प्रति समाज के भरोसे का कमजोर पड़ना भी है। निस्संदेह, डिजिटल माध्यमों ने संवाद को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। साधारण नागरिक भी घटनास्थल से तत्काल तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों का समन्वय तेज हुआ है।

छोटे उद्यमियों को नए अवसर मिले हैं, कलाकारों और लेखकों को वैश्विक मंच मिला है तथा शिक्षा एवं शोध भौगोलिक सीमाओं से काफी हद तक मुक्त हुए हैं। जिन समुदायों की आवाज कभी मुख्यधारा तक नहीं पहुंचती थी, उन्हें भी अपने विचार रखने का अवसर मिला है। मगर तकनीक की यही शक्ति उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन गई है। डिजिटल मंचों की कार्यप्रणाली का उद्देश्य अक्सर सत्य की खोज से अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है।

इसलिए संतुलित विश्लेषण की तुलना में सनसनी, तर्क की अपेक्षा भावनाएं और तथ्यों की तुलना में उत्तेजक सामग्री अधिक प्रभावशाली हो जाती है। क्रोध, भय और पूर्वाग्रह जैसी भावनाएं तेजी से फैलती हैं, जबकि संयमित और तथ्य आधारित व्याख्या पीछे छूट जाती है। लोग सोचने से पहले प्रतिक्रिया देने लगते हैं। भ्रामक सूचना कोई नई सामाजिक समस्या नहीं है। इतिहास अफवाहों, दुष्प्रचार और अतिशयोक्ति का साक्षी रहा है। अंतर केवल इतना है कि पहले झूठ को फैलने में समय लगता था, जबकि आज तकनीक ने उसे अभूतपूर्व गति और व्यापक पहुंच दे दी है।

जब कोई असत्य बार-बार दोहराया जाता है, तो वह सच जैसा प्रतीत होने लगता है। अधिकांश लोग किसी संदेश को साझा करने से पहले उसके स्रोत की पड़ताल नहीं करते। झूठ सिर्फ इसलिए सफल नहीं होता कि उसके पीछे मिथ्या तर्कों का जाल बुना होता है, बल्कि इसलिए सफल होता है कि वह सत्य से पहले लोगों तक पहुंच जाता है और उनकी भावनाओं को प्रभावित करता है। इसके दुष्परिणाम सार्वजनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

चुनावों के दौरान भ्रामक आंकड़े, संदर्भ से काटे गए वीडियो और दुष्प्रचार के अभियान मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी समाज में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने कई बार सांप्रदायिक तनाव को भी जन्म दिया। इससे स्पष्ट है कि आभासी दुनिया में फैलाया गया झूठ वास्तविक दुनिया में गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव-भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए

सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है।

डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच स्वस्थ संतुलन स्थापित करे। यदि सोशल मीडिया मंच पर किसी सामग्री को हटाया या सीमित किया जाता है, तो प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि तकनीकी कंपनियां अब केवल संचार का माध्यम नहीं हैं, वे समाज के वैचारिक परिवेश को आकार देने वाली संस्थाएं बन गई हैं।

उनके डिजिटल ढांचे इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग क्या पढ़ेंगे, क्या देखेंगे और किन विषयों पर चर्चा करेंगे। इसलिए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी बनानी होगी, भारतीय भाषाओं में तथ्य-जांच की सशक्त व्यवस्था विकसित करनी होगी, भ्रामक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना होगा। साथ ही सामग्री नियमन से जुड़े निर्णय स्वतंत्र निगरानी और सार्वजनिक समीक्षा के दायरे में होने चाहिए।

इस परिदृश्य में पारंपरिक पत्रकारिता की भूमिका भी पहले से अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। सूचना की बाढ़ के दौर में केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, उनके संदर्भ, पृष्ठभूमि और प्रभाव को समझाना भी आवश्यक है। इसमें डिजिटल साक्षरता की भी अहम भूमिका है। नागरिकों को यह समझना जरूरी है कि कौन-सी सूचना विश्वसनीय है, कौन-सा वीडियो कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है, कौन-सी भाषा केवल भावनाएं भड़काने के लिए प्रयुक्त हुई है और किन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जानी चाहिए।

दरअसल, आज आवश्यकता तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय विचारपूर्वक निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करने की है। हर सूचना पर तुरंत विश्वास करना जितना खतरनाक है, उतना ही जोखिमपूर्ण उसे बिना कारण अनदेखा करना भी है। परिपक्व लोकतांत्रिक समाज वही है जहां नागरिक प्रश्न पूछते हैं, प्रमाण तलाशते हैं और पर्याप्त तथ्य उपलब्ध होने तक निर्णय सुरक्षित रखने का धैर्य रखते हैं। यह बौद्धिक धैर्य लोकतंत्र की बड़ी शक्ति है।

आभासी दुनिया में भ्रामक सूचनाओं की चुनौती का समाधान सरकार, तकनीकी कंपनियों, मीडिया, शिक्षा जगत और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलित कानून बनाने होंगे। तकनीकी कंपनियों को सार्वजनिक विमर्श पर अपने प्रभाव को स्वीकार करते हुए अधिक जवाबदेह बनना होगा। शिक्षा जगत को आलोचनात्मक चिंतन और डिजिटल साक्षरता को आवश्यक कौशल बनाना होगा।

प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि वह केवल सूचना का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसके प्रसार की शृंखला का उत्तरदायी हिस्सा भी है। डिजिटल क्रांति ने मानवता को संवाद, सहयोग और नवाचार की असीम संभावनाएं दी हैं। इन उपलब्धियों को सुरक्षित रखने के लिए सत्य, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के प्रति समान प्रतिबद्धता आवश्यक है।

'दिमागी नक्सल' कौन? सरकार की नीतियों का विरोध देशद्रोह या देशभक्ति?

(तवलीन सिंह)

मैं क्या एक दिमागी नक्सल हूं? जब से प्रधानमंत्री ने लालकिले से पहली बार इस नए किस्म के इंसान के बारे में जिक्र किया, मुझे यह सवाल सताता रहा है। इस वास्ते कि मुझे लगने लगा है कि आगे मेरे जैसे कई लोगों के बारे में कहा जाएगा कि हम दिमागी नक्सल हैं सिर्फ इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा का विरोध करते हैं और सरकार की कई नीतियों को हम गलत मानते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कहूं कि मैं काकरोच जनता पार्टी के 'स्कूल ठीक करो अभियान' का समर्थन करती हूं, तो क्या मैं दिमागी नक्सल की श्रेणी में आ जाती हूं? मुझे इस अभियान से बहुत हमदर्दी है, क्योंकि कई सालों से मैं लिखती आई हूं कि देश में सबसे बड़ा आर्थिक सुधार शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाकर होगा। भारत के सरकारी स्कूल इतने रद्दी हैं कि हमको शर्म आनी चाहिए कि इतने वर्षों से देश के सबसे गरीब, लाचार बच्चों को पढ़ाई के नाम पर ऐसे स्कूलों में भेजा जाता है जिसको किसी दूसरे देश में स्कूल भी न माना जाए। जब से यह अभियान शुरू किया है काकरोच जनता पार्टी ने, उनके सदस्य रोज सोशल मीडिया पर रील डालते हैं ऐसे स्कूलों की जो तस्वीरों ही तस्वीरों में बताती हैं सारी कहानी। इन सभी रील में ऐसे स्कूल दिखाए गए हैं जिनमें छतें गिरने को हैं, जिनकी कक्षाओं में न बेंच हैं न मेज, न शिक्षक न किताबें और जिनके तथाकथित शौचालय इतने गंदे हैं कि कोई बहुत बेरहम शिक्षक ही होगा जो छोटे बच्चों को इनमें जाने पर मजबूर करता होगा। अभियान का समर्थन अब कई लोग करने लगे हैं, तो क्या इन सबको दिमागी नक्सल कहा जाएगा? भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं की बातों से तो लगता ऐसा ही है। मोदी के मंत्री तक कहते हैं कि काकरोच पार्टी का संस्थापक असल में छात्र नहीं, आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है और उसको छात्रों की इस मुहिम से जोड़ना ठीक नहीं है। क्यों ठीक नहीं है? शिक्षा का इतना बुरा हाल है अपने इस देश में कि अगर कोई उसको सुधारने के लिए अभियान शुरू करने को तैयार है, तो उसको देशभक्त कहना चाहिए। दिमागी नक्सल नहीं। तो कौन हैं ये दिमागी नक्सल जिनको लेकर प्रधानमंत्री इतने परेशान हैं कि इनका जिक्र उन्होंने लालकिले के प्राचीर से करना ठीक समझा? मैंने जब एक दो भाजपाई दोस्तों से यह पूछा, तो उन्होंने कहा कि दिमागी नक्सल वे लोग हैं जो माओवादी विचारधारा से प्रेरित होकर देश का विरोध करते हैं। सवाल है कैसा विरोध? क्या सरकार की नाकामियों का विरोध करना गलत है? क्या यह देशभक्ति नहीं है जब मेरे जैसे लोग दशकों से कोशिश करते आए हैं शिक्षा में सुधार लाने की। हमारी सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं भी इतनी रद्दी हैं कि इनमें भी क्रांतिकारी सुधार लाना जरूरी है। क्या आपने ऐसे अस्पताल नहीं देखे हैं जिनमें आवारा कुत्ते-बिल्लियां घूमते हैं और चूहे उन तारों को काटते दिखते हैं जिनसे ऑक्सीजन और दवाइयां दी जाती हैं मरीजों को? सच पूछिए तो मैं जब भी इन चीजों को देखती हूं, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। तो मैं देशभक्त हूं या दिमागी नक्सल? यहां स्पष्ट करना चाहती हूं कि माओवादी विचारधारा से मुझे नफरत है। मेरा मानना है कि भारत अगर दक्षिण-पूर्वी देशों से पीछे रह गया है, तो इसलिए कि हमने सोवियत यूनियन की नकल करके ऐसा समाजवाद थोपा है देश पर कि हमारी अर्थव्यवस्था आज तक इतनी कमजोर है कि वह नौजवानों को नौकरियां नहीं दे सकती है। शर्मिंदा होना चाहिए हमारे राजनेताओं को कि आज भी हमारे नौजवानों का एक ही सपना है और वह है किसी न किसी तरह सरकारी नौकरी हासिल करना। झारखंड में जो विरोध प्रदर्शन पिछले दिनों देखा उसमें आपने भी देखा होगा कि लोगों के हाथों में बड़े सारे पोस्टर थे जिनमें दाम लिखे थे सरकारी नौकरियों के। पुलिस में भर्ती के लिए कितने लाख रुपए, सरकारी स्कूल में शिक्षक बनने के लिए कितने लाख रुपए और सरकारी दफ्तरों में आला नौकरी लेने के लिए भी न जाने कितने लाख रुपए देने पड़ते हैं। मेरी नजर में जिन लोगों ने ये पोस्टर बनाए थे उनको देशभक्त कहना चाहिए दिमागी नक्सल नहीं? आपका क्या खयाल है? ऐसा कहने के बाद फिर आता है मन में वही सवाल- दिमागी नक्सल है कौन? किसकी तरफ इशारा कर रहे थे प्रधानमंत्री, जब उन्होंने यह बात कही। असली नक्सलवादी वे लोग हैं, जिन्होंने हथियार उठा कर हिंसा और भय फैलाने का काम किया है, जिसकी वजह से देश के कई हिस्सों में विकास नाम की कोई चीज नहीं हो सकी है। स्कूल बनते तो उनको तबाह कर दिया जाता था।

वंदे मातरम् पर विवाद क्यों? असहमति से पंथनिरपेक्षता तक छिड़ी नई बहस

प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है।

(राकेश सिन्हा)

'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। असहमति और आक्रोश या नापसंदगी और नफरत के बीच अंतर होता है। असहमति और नापसंदगी वैचारिक एवं तर्क पर आधारित होती है, जबकि आक्रोश और नफरत की बुनियाद प्रतिशोध एवं ताकत होती है। उदाहरण के लिए 'वंदे मातरम्' को संपूर्णता में गाने पर मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग की असहमति एवं इसके प्रति नापसंदगी थी। मगर स्वतंत्र भारत में कोई इस तरह का विरोध करता है, तो यह अनपेक्षित है। 'वंदे मातरम्' ने स्वदेशी, राष्ट्रीयता और उपनिवेशवाद-विरोध को ताकत दी थी और लोगों ने इसे गाते-गाते बलिदान दिया था। इनमें दो नाम उल्लेखनीय हैं। ओडिशा के बाजी राउत और असम की तिलेश्वरी बरुआ। दोनों की उम्र मात्र बारह वर्ष थी। औपनिवेशिक सरकार की ओर से इस गीत को गाने पर प्रतिबंध का लोगों ने विरोध किया और जेल गए। आज कांग्रेस की आक्रामकता इतनी अधिक है कि इसे संपूर्णता में गाने की जगह वे जेल जाना पसंद कर रहे हैं। 'वंदे मातरम्' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। इनमें न किसी धर्म पर प्रहार है और न ही ये कर्मकांड के वे अंश हैं, जो सभी रूपक के रूप में उपयोग किए गए हैं। तभी भारत के मुसलमानों को 1937 से पहले इस पर कोई आपत्ति नहीं थी।

'वंदे मातरम्' और ऐतिहासिक विवाद –वर्ष 1937 में प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। दो साल के बाद लीग ने इस पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसे 'पीरपुर रिपोर्ट' कहते हैं। इसमें कांग्रेस शासन को 'अल्पसंख्यक विरोधी' कहा गया। आपत्ति के विषय को इसी से जाना जा सकता है कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने, तिरंगा फहराने, वंदे मातरम् गाने जैसी

बातों को हिंदू फासीवादी होने का आधार बनाया गया। जिस लीग की तर्ज पर कांग्रेस चल रही है, वह भारत की मौलिकता को समाप्त करने का उपक्रम है। वर्ष 1920 में नागपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। तब मोहम्मद अली जिन्ना ने मंच पर गांधी को 'महात्मा' की जगह 'मिस्टर' कहकर संबोधित किया। प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है। यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर-बुद्ध-नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढ़ना कठिन है। यही नेहरूवाद का नजरिया रहा था, जिसके कारण दर्शन के क्षेत्र में समृद्ध भारत के विश्वविद्यालयों में इसके अध्ययन में गिरावट आई है। ऐसे में तो वेद, महाभारत, पुराण, उपनिषद- सब में अध्यात्म का अंश है, तो क्या वे पंथनिरपेक्ष साहित्य नहीं माने जाएंगे? वे विश्व साहित्य के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं, पर भारत में धर्मनिरपेक्ष साहित्य नहीं बन सकते हैं। दारा शिकोह द्वारा उपनिषदों का पारसी में अनुवाद से क्या उनके धर्म का अवमूल्यन हो गया? आचार्य जेबी कृपलानी ने अपनी पुस्तक 'माइनॉरिटीज इन इंडिया' (1948) में पूछा है कि वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराणों आदि को हटा देने से भारत क्या रह जाएगा?

भारतीय दर्शन और पंथनिरपेक्षता का सवाल – कांग्रेस को वंदे मातरम् पर आपत्ति है, तो शक और विक्रम संवत का भी हिंदू इतिहास है। तो क्या उसे भी वे खारिज कर देंगे? संविधान सदन, संसद भवन, सेना मुख्यालय, जीवन बीमा, सर्वोच्च न्यायालय इत्यादि का ध्येय वाक्य उन्हीं दार्शनिक ग्रंथों से लिया गया है, तो क्या वे हिंदू पूर्वाग्रह का बहुमतवाद है। सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयः' महाभारत से लिया गया है, तो गणतंत्र का ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद से लिया गया है। रवींद्रनाथ ठाकुर के 'गोरा' उपन्यास में गोरा और सुचरिता के बीच संवाद में भारत और धर्म की भारतीय अवधारणा सामने आती है। तब तो वह भी उन्हें स्वीकार नहीं होगा! कुछ वर्ष पूर्व जब 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाने की बात हुई, तब भी योग की हिंदू उत्पत्ति तलाशी गई और इसका विरोध हुआ। कांग्रेस की परिभाषा के अनुसार, भारत का अहिंदूकरण ही पंथनिरपेक्षता है। 'वंदे मातरम्' एक सकारात्मक और प्रेरणादायक गीत है, जिसे गाकर, सुनकर या पढ़कर देशभक्ति जीवंत हो जाती है। महर्षि अरविंद और लाला लाजपत राय ने क्रमशः कलकत्ता और लाहौर में 'वंदे मातरम्' नाम से अखबार शुरू किया। कांग्रेस के साथ त्रासदी है कि उसका विचार यथार्थ से हमेशा दूर रहा है। आज की कांग्रेस में विचारों की बहुलता नहीं है। कोई संपूर्णानंद या केएम मुंशी आज कांग्रेस के पास नहीं हैं। यह वैचारिक बहुलता सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के क्रम में देखने को मिली थी। तब पंडित नेहरू इसके विरोध में थे, तो राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसकी अगुआई कर रहे थे।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर बहस – जब भी अपने इतिहास, विरासत, नायकों की खोज या उनकी स्मृति को बनाए रखने का कोई उपक्रम बनता है, उसे धर्मनिरपेक्षता पर सवाल कह दिया जाता है। इसका एक उदाहरण कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक के निर्माण से जुड़ा है। एकनाथ रणाडे के प्रयास के विरुद्ध केरल से दिल्ली तक विरोध जताया गया। भारत अपने सांस्कृतिक उत्थान के दौर में प्रवेश कर रहा है। मगर पुरानी सोच और पुरानी ताकत अपने बौद्धिक आधिपत्य को टूटते नहीं देख पा रही है। कांग्रेस और उसके बुद्धिजीवी मित्र छद्म पंथनिरपेक्षता के आधार पर भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे एक समय लोकमान्य तिलक के गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव को मुस्लिम विरोधी घोषित किया गया, उसी को आज वंदे मातरम् को लेकर दोहराया जा रहा है। (यह लेखक के अपने विचार है)

संक्षिप्त समाचार

राखी से रक्षा अभियान में अनूठी पहल : 101 बहनों की राखियां जाएंगी वीर सैनिकों के नाम

● **भरत कुमार गांधी, रानी**

रानी। रक्षाबंधन पर देश की सीमाओं पर मातृभूमि की रक्षा में डटे वीर सैनिकों के प्रति सम्मान और बहन के स्नेह का अनूठा संगम रानी में देखने को मिला। राखी से रक्षा अभियान' के तहत समाजसेवी रिजवान इश्तियाक अफरीदी की पहल पर नगर की 101 बहनों ने देश के वीर जवानों के लिए स्पीड पोस्ट से राखियां बुक कराईं।
अभियान के माध्यम से नगर की बहनों ने संदेश दिया कि सरहद पर तैनात सैनिक भले ही अपने परिवार से हजारों किलोमीटर दूर हों, लेकिन देश की करोड़ों बहनों का स्नेह और आशीर्वाद हमेशा उनके साथ है। सैनिकों के लिए बुक कराई गई राखियां उनके प्रति सम्मान, कृतज्ञता और भाईचारे की भावना का प्रतीक हैं।

● **स्नेह की डोर से जुड़ेंगे सैनिक**

समाजसेवी रिजवान इश्तियाक अफरीदी ने कहा कि राखी केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।
इस अवसर पर पोस्टमास्टर रानी भीकाराम ने बताया कि देश के सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के अवसर पर उनके लिए राखी भेजना समाज की ओर से उनके त्याग और समर्पण को नमन करने का छोटा-सा प्रयास है।

नगरीय निकाय चुनाव-2026

● **ईवीएम का प्रथम रेंडमाइजेशन सम्पन्न**

● **रिवेन्द्र कुमार शर्मा की रिपोर्ट**

दौसा, 25 अगस्त। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नगरीय निकाय चुनाव-2026 के लिए ईवीएम मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन किया गया।
रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत जिले की नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के लिए ईवीएम मशीनों का निर्वाचन क्षेत्रवार आवंटन किया गया। प्रक्रिया कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से पूरी तरह पारदर्शी एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सम्पन्न कराई गई।
इस अवसर पर उप निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविंद शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल, नगर सुधार न्यास सचिव गंगाधर मीणा, सभी रिटर्निंग अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयपुर न्यू जनरेशन पब्लिक स्कूल में सावन मास के अवसर पर विद्यालय के 21नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राएं भगवान शिव के वेशभूषा में विद्यालय आए

जिसमें आयुष अग्रवाल प्रथम, विकास मौर्य ने द्वितीय, आशुतोष शर्मा ने तृतीय एवं मोहित जैन प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना गया
इस अवसर पर संपूर्ण विद्यालय परिसर में शिव वातावरण की गूंज रही विद्यालय की शिक्षिका सुषमा अरोड़ा के नेतृत्व में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया
संस्था के निदेशक अविनाश शर्मा एवं विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ प्रीति श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

आज जिला बदायूं में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर कृषि क्षेत्र को मिल रही नई ऊर्जा

● **मंगलेश नायक रिपोर्टर**

बदायूं / आज बदायूं स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में कृषि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने का अवसर प्राप्त हुआ यह नियुक्ति केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश के कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
प्रदेश सरकार युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है इस अवसर पर सदर विधायक श्री महेश चंद गुप्ता जी, श्री शारदेन्दु पाठक जी, जिला विकास अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह जी, उप कृषि निदेशक श्री मनोज कुमार जी, जिला कृषि अधिकारी श्री मनोज रावत जी, भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. नरेन्द्र प्रताप जी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रिवेन्द्र कुमार शर्मा की रिपोर्ट

टीबी मरीजों को समय पर मिले पूरा उपचार, 'नशा मुक्त दौसा' बनाने के लिए करें प्रभावी कार्रवाई : राज्यपाल

दौसा।

25 अगस्त। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी की स्थिति, मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई तथा शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए टीबी मरीजों को समय पर पूरा उपचार मुहैया कराने, 'नशा मुक्त दौसा' बनाने के लिए नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
राज्यपाल ने जिले में टीबी की स्थिति की समीक्षा करते हुए वर्तमान में टीबी से ग्रसित मरीजों की संख्या, उनकी औसत आयु और उपचार की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त जिले का लक्ष्य रखते हुए टीबी के प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
राज्यपाल ने जिले में मादक पदार्थों के उपयोग एवं नशे की स्थिति की समीक्षा करते हुए 'नशा मुक्त दौसा' बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं के मन में नशे के प्रति नकारात्मक भावना विकसित की जाए। नशीले पदार्थों के स्त्रोतों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस मादक पदार्थों के स्त्रोत तक पहुंचे।

● **राज्यपाल ने ली अधिकारियों की बैठक, टीबी, नशा मुक्ति और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा**

● *** बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को अपने कार्मिकों के स्तर पर भी नशा मुक्ति के लिए पहल करनी चाहिए। शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह रोकने के लिए संबंधित विभाग समन्वय से कार्रवाई करें। पुलिस नशे के नेटवर्क के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करते हुए लगातार निगरानी एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करे।

● **शिक्षा व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम**

राज्यपाल ने जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ जिले में शिक्षा की स्थिति की समीक्षा करते हुए विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, शिक्षकों की उपलब्धता तथा विषयवार शिक्षकों की स्थिति सहित विभिन्न मानकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने और उसे आगे बढ़ाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। जितने अधिक नागरिक शिक्षित होंगे, उतना ही देश मजबूत होगा।

एम एम बी ग्रुप डूंगरपुर का खिदमते खल्क अभियान लगातार जारी। जश्न ईद मिलादुन्नबी और राखी पर्व के उपलक्ष्य में सभी समुदाय के 50 जरूरतमंद परिवारों को बांटा राशनं

मोहम्मद इरफान अंसारी/ अजमेर

डूंगरपुर नूर मोहम्मद मकरानी। जश्न ईद मिलादुन्नबी और राखी पर्व के उपलक्ष्य में आज एम एम बी ग्रुप डूंगरपुर के आफिस ऐ के मोटर गैराज पर पूर्व राज्य मंत्री असरार अहमद खान, समाज सेवी रोशनी बारोठ, समाज सेवी कमलेश बामनिया,गिरीश जोशी, प्रियांशु दर्जी, विक्रांत चौबीसा, संदीप सेठिया,सोनू दर्जी और ग्रुप सदर नूर मोहम्मद मकरानी के सानिध्य में सभी समुदाय के 50 जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, सदर नूर मोहम्मद मकरानी ने बताया कि ग्रुप मस्तान बाबा कि याद में सन् 2007 से खिदमते खल्क अभियान को भामाशाहों के सहयोग लेकर लगातार अंजाम दे रहा है अभी तक ग्रुप की ओर से 27000 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित किए जा चुके हैं इसके अलावा लगातार रक्तदान शिविर, सड़क सुरक्षा, स्वच्छता अभियान के तहत कपड़े की थैलियों का निःशुल्क वितरण आदि कई कामों को बखूबी तरीके से किया जा रहा है, पूर्व राज्य मंत्री असरार अहमद खान ने कहा कि ग्रुप मस्तान बाबा कि याद में समाज सेवा के क्षेत्र में पूरे संभाग में अपनी मिसाल कायम कर रहा है, समाज सेवी रोशनी बारोठ ने एम एम बी ग्रुप डूंगरपुर के समाज सेवा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्रुप मस्तान बाबा कि याद जिस तरीके से जरुरतमंद परिवारों को सम्भल प्रदान कर रहा है वो काफी सराहनीय है क्योंकि दीन-दुखियों की सेवा करना हर मज़हब में अव्वल माना गया है और यह काम ग्रुप बखुबी तरीके से अंजाम दे रहा है, समाज सेवी कमलेश बामनिया ने कहा कि ग्रुप मस्तान बाबा कि याद में बिना किसी जाति गत भेद-भाव के पिछले कई सालों से अंजाम दे रहा है इससे पूर्व एम एम बी ग्रुप डूंगरपुर कि और से रोशनी बारोठ, कमलेश बामनिया, गिरीश जोशी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया, ग्रुप की ओर से आज के भामाशाह हाजी इश्तियाक मकरानी आगरा, इफ्तेखार एहमद कुरेशी, फखरी मामा,जयेश मकात, जितेन्द्र कटारा, हाजी मोहम्मद शरीफ चावडा,अतिक मकरानी,जोयब पटेल, रिजवान खान थानाधिकारी पाटन बांसवाड़ा, इमरान मकरानी उदयपुर, तन्मय भट्ट, मोहम्मद अली दिल्ली और अकरम का आभार व्यक्त किया।

धरियावद में गूंजा महाकाल का जयकारा, धूमधाम से निकली शाही सवारी डमरू की थाल पर.

धरियावद। धर्मनगरी नगर में उज्जैन के बाबा महाकाल की शाही सवारी की तर्ज पर भव्य शोभायात्रा धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ निकाली गई। शोभायात्रा महादेव मित्र मंडल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाही सवारी का स्वागत धरियावद राज महल मेवाड क्षेत्रीय महा सभा संस्थान कांग्रेस भा. ज. पा रामस्तशघ मंडल चौधरी समाज सहित धर्म प्रेमी बन्धुओ ने जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर सवारी का स्वागत किया।
शोभायात्रा के दौरान ढोल-नगाड़ों, भजनं-कीर्तन और बाबा महाकाल के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए उमड़ पड़े। शोभायात्रा के मार्ग में धार्मिक माहौल देखने को मिला तथा श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के जयकारे लगाते हुए भक्ति में लीन होकर सहभागिता निभाते हुवे पुन यथा स्थल पहुंच कर महा आरती कर कर भक्तो मे प्रसाद वितरण किया गया
आयोजकों एवं श्रद्धालुओं ने शाही सवारी को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। वही भव्य शोभा यात्रा मे कानून व्यवस्था पुलिस उप अधीक्षक अकुश मीणा के निर्देश पर सी ओ सर्कल के थाना धरियावद हजारी लाल मीणा केसरियावाद रमेश चंद्र मीणा परसोला राकेश कटारा मय जाब्ता की माकूल व्यवस्था रही

नागौर में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन, पूर्णाहुति यज्ञ में उमड़े श्रद्धालु

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर

नागौर।

शहर के कुम्हारी दरवाजा स्थित बाबा रामदेव मंदिर एवं फतु बाबा की बगीची विकास ट्रस्ट, नागौर के तत्वावधान में आयोजित 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आज (25 अगस्त 2026) विधिवत समापन हुआ। कथा का आयोजन श्री रणजीत शर्मा के सानिध्य में किया गया, जिसमें कथा व्यास श्री हरिकिशन महाराज ने अपने मुखारविंद से संगीतमय कथा का वाचन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।
ट्रस्ट के सचिव एडवोकेट सुनील त्रिवेदी ने बताया कि इस 7 दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक झांकियों और उत्सवों का सुंदर आयोजन किया गया। कथा के अंतिम दिन पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें कई विवाहित जोड़ों ने मुख्य यजमान के रूप में आहुतियां दीं। आयोजन में नागौर शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ उठाया।
कथा के सफल आयोजन में ट्रस्ट सदस्यों, पदाधिकारियों– लूणाराम सेन, बजरंगलाल शर्मा, बजरंगलाल भार्गव, एडवोकेट जयसिंह बड़गुर्जर, भरत बागड़ी सहित कई कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। साथ ही, आयोजन के दौरान भामाशाहों द्वारा भी विशेष आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तिथि में परिवर्तन

● **12 सितम्बर के स्थान पर अब 10 अक्टूबर 2026 को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत**

● **रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर**

नागौर ,25 अगस्त। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आमजन को सूचित किया जाता है कि दिनांक 12 सितम्बर 2026 को प्रस्तावित तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत की तिथि में परिवर्तन किया गया है। अब उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 के स्थान पर 10 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।
राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत की तिथि को पुनर्निर्धारित किया गया है। राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में 309 नगरीय निकायों के आम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है, जिसके तहत प्रथम चरण का मतदान 9 सितम्बर 2026 तथा द्वितीय चरण का मतदान 11 सितम्बर 2026 को निर्धारित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के अधिक प्रभावी एवं सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसकी निर्धारित तिथि में परिवर्तन किया गया है।
जिन पक्षकारों के प्रकरण न्यायालयों में लंबित हैं अथवा जो अपने विवादों का न्यायालय में वाद दायर करने से पूर्व ही आपसी समझौते के माध्यम से समाधान चाहते हैं, वे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 अक्टूबर 2026 में अपने प्रकरणों के निस्तारण के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/तालुका विधिक सेवा समिति से संपर्क कर सकते हैं।

युवा पत्रकार अजय कुमार जैन के उठावना में उमड़ा जनसैलाब, नम आंखों से दी पुष्पांजलि

भरत कुमार गांधी रानी।

रानी।

निकटवर्ती जवाली गांव का युवा पत्रकार एवं ऊर्जावान समाजसेवी अजय कुमार जैन के आकस्मिक निधन पर जैन धर्मशाला, जवाली में उठावना (शोक सभा) का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में पूज्य गुरुदेव डॉ. भुवनेश मुनि जी (रूपमुनि धर्मशाला, नाडोल) का पावन सानिध्य रहा। शोक सभा में सैकड़ों गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को पुष्पांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान पूरा माहौल गमगीन हो गया।

● **शोक सभा में ये रहे उपस्थित**

राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रतिनिधिः पूर्व पाली सभापति महेंद्र बोहरा, भाजपा युवा नेता सुनील चौधरी (सोजत), रानी प्रधान प्रतिनिधि गिरधारी सिंह बोलागुड़ा, रानी विकास अधिकारी नारायण सिंह राजपुरोहित, अति. विकास अधिकारी नारायण सिंह राव, बिजोवा मंडल अध्यक्ष उत्तम सिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष जन्मजय सिंह खारडा।
पत्रकारिता जगतः कम्हख सोजत के महासचिव नवनीत राय भटनागर, बी.एल. भाटी (रानी), उगम सिंह राजपुरोहित, अशोक कड़ेला, जितेंद्र कुमार सहित क्षेत्र के अनेक पत्रकार बंधु। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवीः जवाली सरपंच जुगराज जैन, उप सरपंच महेंद्र सिंह राजपुरोहित, उद्योगपति फतेहचंद एम. शाह, डॉ. मयंक व्यास, पूनम सिंह राजपुरोहित, नरेश सिंह राजपुरोहित सहित सर्व समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।
उठावना के दौरान दादाजी पारसमल गांधी व सुकनराज गांधी, पिताजी उत्तम चंद गांधी, जमाई सा महावीर जैन, केवल चंद गांधी, जयंतीलाल, देवेंद्र जैन सहित समस्त गांधी एवं जैन परिवार को उपस्थित जनसमुदाय ने ढांढस बंधाया।

नगर निकाय चुनाव में साइबर ठगों से सावधान रहें

● **फर्जी वोटर लिंक, डळढ और दफकोड के जरिए ठगी की आशंका, राजस्थान पुलिस ने जारी की एडवाइजरी**

● **रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर**

नागौर। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर राजस्थान पुलिस ने साइबर ठगी से बचाव के लिए मतदाताओं, प्रत्याशियों और चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को सतर्क किया है। पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से चुनाव संबंधी किसी भी संदिग्ध लिंक, संदेश, फोन कॉल, डळढ अथवा दफकोड के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस के अनुसार साइबर ठग चुनाव के दौरान फर्जी वोटर लिंक, चुनाव संबंधी सूचना या अन्य बहाने बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसा सकते हैं। ठग डळढ साझा करवाने, दफकोड स्कैन करवाने अथवा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करवाकर बैंक खाते और निजी जानकारी से संबंधित ठगी को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि चुनाव संबंधी किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसके स्त्रोत की पुष्टि करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ डळढ, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। पुलिस की अपीलः ''सतर्क मतदाता ही सुरक्षित मतदाता है।'' यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है या उसे किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी गौरव अवार्ड प्राप्त कर रायसिंहनगर पहुंचने पर ठोलिया का जोरदार स्वागत

- समाज सेवा की प्रेरणा पापा स्वर्गीय भामाशाह श्री देवी लाल ठोलिया से मिली :-राकेश ठोलिया

रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)क्रय विक्रय सहकारी समिति के चेयरमैन कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राकेश ठोलिया को नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय समरसता द्वारा राजीव गांधी गौरव अवार्ड प्रदान किए जाने के बाद पहली बार अपनी कर्म भूमि रायसिंहनगर पहुँचने पर रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जन द्वारा जोरदार स्वागत किया गया ' इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए राकेश ठोलिया ने कहा कि ये अवार्ड मुझे सामाजिक कार्य करने पर मिला है इसकी प्रेरणा मुझे मेरे पिता स्वर्गीय भामाशाह देवी लाल ठोलिया से मिली ' स्वागत कार्यकम में कांग्रेस मंडल अध्यक्ष रायसिंहनगर श्याम लाल मूथा ब्लॉक कांग्रेस के उपाध्यक्ष भवर लाल पवार आर्मी कमांडो के संचालक अनिल जाखड़,विनोद डाबी अजय भाटी राजू सिंह रामसरूप कुमावत अक्षय ठोलिया गोविंद शर्मा मोहन लाल सिरोहिया अजय गोदारा शीशपाल चोहान अविनाश गोदारा पवन देदड अभिषेक ठोलिया राजू धानक प्रियांशु ठोलिया युवराज बिश्नोई सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता और आम जन उपस्थित रहे '

रायसिंहनगर में नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी, उपखंड अधिकारी आवास के सामने नशे में झूमता दिखा युवक

रायसिंहनगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)शहर में नशे का बढ़ता प्रचलन युवा पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। रायसिंहनगर में एक ऐसा वीडियो/दृश्य सामने आया है।

जिसमें एक युवक उपखंड अधिकारी के आवास के सामने नशे की हालत में झूमता हुआ नजर आया। जिस रास्ते से दिनभर प्रशासनिक अधिकारी और जिम्मेदार लोग गुजरते हैं, उसी मार्ग पर खुलेआम नशे की हालत में युवक का दिखाई देना शहर में नशे की समस्या की गंभीरता को उजागर करता है।

सवाल यह है कि जब जिम्मेदार अधिकारियों की नजरों के सामने ऐसी स्थिति दिखाई दे रही है, तो नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कब होगी स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में नशे के कारण युवा पीढ़ी लगातार प्रभावित हो रही है।

नशे की गिरफ्त में फंस रहे युवाओं को बचाने के साथ-साथ नशे के कारोबार से जुड़े लोगों पर भी सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

अब देखना होगा कि प्रशासन और पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नशे के खिलाफ ठोस अभियान कब शुरू करते हैं। शहरवासियों की मांग है कि केवल कार्रवाई के दावे नहीं, बल्कि नशे के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार कर युवाओं को इस दलदल से बाहर निकाला जाए।

गजसिंहपुर में भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी की चुनावी बैठक, मजबूत उम्मीदवार उतारने पर बनी सहमति

गजसिंहपुर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी (का.) श्रीगंगानगर की ओर से नगर पालिका गजसिंहपुर में आगामी चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी नगर पालिका चुनाव में मजबूत, टिकाऊ और जनहित में काम करने वाले उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा।

कार्यकर्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा चुनाव की तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया।

बैठक में सुनील आजाद जिला अध्यक्ष भीम आर्मी श्रीगंगानगर, जगदीश पार्षद, जिला महासचिव महेन्द्र मेघवाल, तहसील अध्यक्ष गजसिंहपुर, डॉ. मनीष, नगर अध्यक्ष शंकर नंदा, विक्की सोनी, राजेन्द्र नायक, ब्लॉक अध्यक्ष रायसिंहनगर, दलीप नायक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान आगामी चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और संगठन की ओर से चुनावी तैयारियों को तेज करने पर जोर दिया गया।

नगर निकाय चुनाव में साइबर ठगों से सावधान रहें

फर्जी वोटर लिंक, OTP और QR कोड के जरिए ठगी की आशंका, राजस्थान पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नागौर।

नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर राजस्थान पुलिस ने साइबर ठगी से बचाव के लिए मतदाताओं, प्रत्याशियों और चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को सतर्क किया है। पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से चुनाव संबंधी किसी भी संदिग्ध लिंक, संदेश, फोन कॉल, डळढ अथवा दफकोड के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है।

पुलिस के अनुसार साइबर ठग चुनाव के दौरान फर्जी वोटर लिंक, चुनाव संबंधी सूचना या अन्य बहाने बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसा सकते हैं। ठग डळढ साझा करवाने, दफकोड स्कैन करवाने अथवा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करवाकर बैंक खाते और निजी जानकारी से संबंधित ठगी को अंजाम दे सकते हैं।

पुलिस ने आमजन से अपील

की है कि चुनाव संबंधी किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसके स्रोत की पुष्टि करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ डळढ, बैंक संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

पुलिस की अपीलः ''सतर्क मतदाता ही सुरक्षित मतदाता है।'' यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है या उसे किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। चुनाव के दौरान जागरूकता और सावधानी ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

रेयर छोटीकाशी री तीज महोत्सव में उमड़ा उत्साह : कैटवॉक और सावन प्रतियोगिता बनी आकर्षण का केंद्र

रिद्धि सिद्धि पैलेस में रंगारंग आयोजन, रिटर्न गिफ्ट पाकर खिल उठे महिलाओं के चेहरे

बीकानेर।

'रेयर छोटीकाशी री तीज महोत्सव 2026' हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। रानीबाजार औद्योगिक क्षेत्र में रिद्धि सिद्धि पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शंकरा एडवरटाईजिंग व कार्तिक पब्लिसिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुए कार्यक्रम में कैटवॉक, सावन क्वीन, गेम्स और अन्य प्रतियोगिताओं ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी महिलाओं को आकर्षक रिटर्न गिफ्ट दिए गए, जिन्हें पाकर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में ब्रह्म गायत्री सेवाश्रम के अधिष्ठाता पंडित रामेश्वरानन्दजी पुरोहित (दाताश्री), मेडिकल एस्ट्रोलॉजर, वास्तु कंसल्टेंट, मोटिवेशनल स्पीकर, योगा ट्रेनर एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जोधपुर की ब्रांड एम्बेसडर डॉ. मोनिका आर. करल, चेयरपर्सन, महावीर इंटरनेशनल वीरा केंद्र

नोखा-बीकानेर सरला अग्रवाल, नोखा तहसीलदार सुनीता चारण, उपनिदेशक, जनसम्पर्क विभाग, बीकानेर हरिशंकर आचार्य, प्रिंसिपल, फोर्ट स्कूल व सरस फाउंडेशन की ऑनर पिंकी शर्मा, समाजसेवी विनोद गोयल, समाजसेवी अरविंद मिढ्ढा, समाजसेवी डॉ. पूजा मोहता, महिला गृहिणी डिंपल गांधी, अर्हम इंग्लिश अकादमी के निदेशक सुरेंद्र डागा, समाजसेवी राज खजांची, नेल आर्ट स्टूडियो की हेड जाह्नवी सोनी ने बतौर अतिथि शिरकत की। अतिथियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सामाजिक सहभागिता का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने तीज जैसे पारंपरिक पर्वों को आधुनिक स्वरूप में मनाने की इस पहल को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पारंपरिक गीतों पर प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। कैटवॉक और सावन क्वीन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और पारिवारिक माहौल देखने को मिला। आयोजन से जुड़ी रेनू जोशी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी महिलाओं के लिए ऐसे रचनात्मक एवं सांस्कृतिक आयोजन लगातार किए जाएंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन नीलम शर्मा ने किया।

- **इन्होंने निभायी सहयोगी प्राउड स्पोंसर की भूमिका**

बीकाजी, पदम्स ग्रुप, लोटस डेयरी, रिद्धी सिद्धी रिसोर्टस, ऑरव ब्यूटी एक्सपर्ट, भीखाराम चांदमल, रुपजी प्रीमियम क्वालिटी, दर्मा वेदिक, सिद्धी विनायक एंटरप्राइजेज, कला क्रिएशंस, भोज फ्लेक्स, सरस फाउंडेशन, जेएस. नेल आर्टिस्ट, पुष्पवीर आदि विशिष्ट प्रतिष्ठान संस्थानों ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रियांबड़ी में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित, प्रदेश एवं जिला नेताओं ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

रियांबड़ी (नागौर), 25 अगस्त। नगर पालिका चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को रियांबड़ी स्थित गायत्री मांगलिक भवन में भारतीय जनता पार्टी का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला कार्यकर्ता एवं पार्टी समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर पालिका चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करना तथा चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देना रहा।

सम्मेलन से पूर्व आयोजित संगठनात्मक बैठक में प्रदेश एवं जिला स्तर के नेताओं ने कार्यकर्ताओं को चुनाव में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आ''ान किया। नेताओं ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाकर ही चुनाव में सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से घर-घर जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ने का आग्रह किया।

नेताओं ने आगामी नगर पालिका चुनाव को संगठन की प्रतिष्ठा का चुनाव बताते हुए प्रत्येक वार्ड में मजबूती के साथ चुनावी तैयारियां करने, संगठन के निर्देशों का पालन करने तथा भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आ''ान किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं, युवा मोर्चा, बूथ अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। पूरे सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखने को मिला तथा आगामी चुनाव में भाजपा की जीत का संकल्प दोहराया गया।

सम्मेलन में मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, निकाय प्रभारी शैलेन्द्र कुमार गुर्जर, निकाय विस्तारक नवीन चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामधन पोटलिया, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सोभाराम जयपाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामेश्वर छाबा, रियांबड़ी मंडल अध्यक्ष भंवरसिंह राठौड़, महामंत्री रामकिशोर गौतम, सत्यनारायण वैष्णव, एडवोकेट आशीष राजपुरोहित, बाबू सिंह, रामकिशोर महेला, महेन्द्र गोड़, बनवारी खंडेवाल सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं पार्टीजन उपस्थित रहे।

गरीबों के सच्चे हमदर्द, कोरोना काल के मसीहा हिमांशु समाज सेवक, वार्ड 12 से BJP टिकट के सबसे प्रबल दावेदार

किशनगढ़ बास। कोरोना महामारी के उस भयावह दौर में जब पूरा देश लॉकडाउन में कैद था, तब किशनगढ़ बास में एक फरिश्ता बनकर सामने आए - युवा समाज सेवक हिमांशु

वार्ड नंबर 12 में आज हर जुबान पर एक ही नाम है - हिमांशु समाज सेवक। कोरोना काल में इन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना गरीब परिवारों को राशन किट, दवा और मरीजों की मदद

पहुंचाई और गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी में सहयोग व धार्मिक भंडारों में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इसी सेवा भाव को देखते हुए वार्ड 12 की जनता मांग कर रही है कि इखढ वार्ड 12 से हिमांशु को टिकट दे।

इस मौके पर उनके साथ प्रमुख सहयोगी श्कमल ठेकेदार, तरूण, अमर सिंह, नर सिंह, तुलसी, मुहर सिंह, कुन्दन, बाबूलाल, राजेन्द्र, देवी सिंह सहित महिलाएं उर्मिला, सरोज, सुनीता, संतरा, रिसाल सहित आदमी कार्यकर्ता एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी

चमकता राजस्थान।

धौलपुर, 25 अगस्त। जिला निर्वाचन अधिकारी नपा एवं जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर द्वारा घोषित नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के लिए नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 24 अगस्त से हो चुकी है, जो 12 सितंबर तक चलेगा। उन्होंने बताया कि जोनल अधिकारियों का प्रशिक्षण 30 अगस्त को जिला परिषद सभागार धौलपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। इसमें ओआईसी प्रशिक्षण संबंधित प्रभारी अधिकारी रहेंगे। पीठासीन अधिकारी एवं प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महाराणा धौलपुर में 1 सितंबर से शुरू होगा। इसमें पीआरओ एवं पीओ 1 से 125 तक का प्रशिक्षण प्रातः 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक अलग-

अलग बैच में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक बैच में लगभग 40 प्रशिक्षणार्थी होंगे।

इसी प्रकार 2 सितंबर को पीआरओ एवं पीओ 126 से 250 तक तथा 3 सितंबर को पीआरओ एवं पीओ 251 से 360 तक का प्रशिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम संचालन एवं आवश्यक प्रपत्र भरने संबंधी जानकारी दी जाएगी। ईवीएम कमिश्निग स्टाफ का प्रशिक्षण 5 सितंबर को प्रातः 10 बजे से संबंधित नगर पालिका एवं नगर परिषद मुख्यालयों पर आयोजित होगा। प्रत्येक नगरीय निकाय से 30 प्रशिक्षणार्थी संबंधित रिटर्निंग अधिकारी की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। रिसीप्ट एवं डिस्पैच ऑफ पोलिंग पार्टी स्टाफ का प्रशिक्षण 6 सितंबर को प्रातः 10 बजे से संबंधित नगर पालिका एवं नगर परिषद मुख्यालयों पर होगा। सभी नगरीय निकायों के 1 से 50 तक वीडियोग्राफरों का प्रशिक्षण 7 सितंबर को जिला परिषद सभागार धौलपुर में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्त पोलिंग पार्टियों का रवानगी दिवस पर द्वितीय एवं अंतिम प्रशिक्षण 8 सितंबर को प्रातः 8 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय धौलपुर में आयोजित होगा। इसी दिन नगर पालिका राजाखेड़ा, मनियां एवं सैंपऊ का प्रशिक्षण संबंधित नगर पालिका मुख्यालय स्तर पर होगा। नगर पालिका बाड़ी, बसेड़ी एवं सरमथुरा का प्रशिक्षण 10 सितंबर को प्रातः 8 बजे से संबंधित नगर पालिका मुख्यालय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। मतगणना दलों का प्रशिक्षण 12 सितंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित मतगणना प्रक्रिया के लिए संबंधित नगर पालिका एवं नगर परिषद मुख्यालयों पर आयोजित होगा। प्रशिक्षण ओआईसी प्रशिक्षण एवं संबंधित प्रभारी अधिकारियों की देखरेख में संपन्न कराया जाएगा।

आगामी त्योहारों को लेकर बाड़ी कोतवाली थाने में उछऋबैठक आयोजित

चमकता राजस्थान । बाड़ी। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बाड़ी कोतवाली थाने में उछऋबैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी.टी. एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर त्योहारों की तैयारियों एवं कानून-व्यवस्था को लेकर चर्चा की। बैठक में उड महेंद्र कुमार मीणा तथा कोतवाली थानाप्रभारी महेंद्र कुमार शर्मा सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।अधिकारियों ने विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों से आगामी त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी त्योहार हमारी सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का अवसर हैं, इसलिए इन्हें मिल-जुलकर शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाना चाहिए। जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर किसी भी प्रकार का विश्वास नहीं करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या सूचना की जानकारी मिलने पर स्वयं कार्रवाई करने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। बैठक में त्योहारों के दौरान यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं कानून- व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने समाज प्रतिनिधियों से प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करने की अपील की। अंत में प्रशासन ने सभी समाजों के लोगों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ त्योहार मनाने तथा बाड़ी में शांति एवं सौहार्द की मिसाल कायम रखने का आ''ान किया।

संक्षिप्त समाचार

देर रात स्कूटी पर निकले कलेक्टर, परकोटे में परखी सफाई व्यवस्था

- **सरकारी वाहन छोड़ स्कूटी से पहुंचे संदेश नायक, नालियों से लेकर रात्रिकालीन सफाई तक का लिया जायजा**

चमकता राजस्थान/ जयपुर। (खलील कुरैशी)जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को धरातल पर परखने के लिए जिला कलेक्टर संदेश नायक मंगलवार देर रात अचानक परकोटे के दौरे पर निकले। खास बात यह रही कि कलेक्टर सरकारी वाहन के बजाय स्कूटी से अजमेरी गेट पहुंचे और शहर की सफाई व्यवस्था का मौके पर निरीक्षण किया।अतिरिक्त जिला कलेक्टर (पूर्व) नरेंद्र कुमार वर्मा के साथ स्कूटी से निकले कलेक्टर ने परकोटे के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था की वास्तविक स्थिति देखी। इस दौरान उन्होंने नालियों की सफाई,रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था की बीट, बाजारों एवं खाने-पीने की दुकानों के आसपास जमा कचरे तथा उसके निस्तारण की जानकारी ली और मौके पर व्यवस्थाओं का अपडेट लिया।दौरे के दौरान कलेक्टर ने नगर निकाय चुनाव को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता की स्थिति तथा उससे संबंधित व्यवस्थाओं की भी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने तथा शहर में नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।कलेक्टर संदेश नायक की कार्यशैली को प्रशासनिक स्तर पर सक्रिय और प्रभावी माना जाता है। वे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के सचिव की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। जयपुर जिला कलेक्टर की जिम्मेदारी मिलने के बाद वे इससे पहले भी स्कूटी से शहर का निरीक्षण कर चुके हैं।देर रात का यह औचक दौरा शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन की जमीनी निगरानी और सक्रियता का संकेत माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त स्वास्थ्य ओम थानवी और उपायुक्त राजस्व नवीन भारद्वाज भी मौजूद रहे।

निष्पक्ष मतदान के लिए मतदान दलों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- **जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने प्रशिक्षण स्थलों का लिया जायजा,**
- **26-27 अगस्त को 13,076 मतदान कार्मिक होंगे प्रशिक्षित**

चमकता राजस्थान/जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जयपुर जिले में मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण 26 एवं 27 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) संदेश नायक के निर्देश पर आयोजित प्रशिक्षण में करीब 13,076 पीआरओ एवं पीओ प्रथम सहित मतदान कार्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मंगलवार को जयपुर शहर स्थित प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी तथा मास्टर ट्रेनर्स को मतदान कार्मिकों को ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन दायित्वों एवं आवश्यक सावधानियों का प्रभावी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।जिले के विभिन्न उपखंड क्षेत्रों में 10 तथा जयपुर शहर में चार प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण दो पारियों में होगा—पहली पारी सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तथा दूसरी पारी दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। अधिकारियों ने मतदान कार्मिकों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्ण पालना करते हुए पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए दक्ष बनाने पर जोर दिया।

रोम में 51वें ईजीपीए सम्मेलन में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का अध्यक्षीय संबोधन

डिजिटल गवर्नेंस और प्रशासनिक सुधारों से सुशासन की नई दिशा

'विकसित भारत@2047' के अनुरूप 'विकसित राजस्थान@2047' की सुशासन यात्रा को किया रेखांकित

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने इटली के रोम स्थित सैपिएन्जा यूनिवर्सिटी में आयोजित 51वें यूरोपियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (ईजीपीए) वार्षिक सम्मेलन में आईआईएएस अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने 'पब्लिक गवर्नेंस फॉर द कॉमन गुड' थीम के तहत अगली पीढ़ी के प्रशासनिक सुधारों, नागरिक-केंद्रित डिजिटल गवर्नेंस और तकनीक आधारित सेवा वितरण में भारत के दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया श्रीनिवास ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रशासनिक सुधार समय की आवश्यकता हैं। 'मैक्सिमम गवर्नेंस—मिनिमम गवर्नमेंट' के दृष्टिकोण के

अनुरूप भारत में तकनीक के माध्यम से सरकार और नागरिकों की दूरी कम हुई है तथा ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और प्रभावी जन शिकायत निवारण को मजबूती मिली है। उन्होंने समानता, न्याय, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुशासन का आधार बताया।

- **राजस्थान के डिजिटल नवाचारों को वैश्विक मंच पर रखा**

मुख्य सचिव ने 'विकसित राजस्थान@2047' की सुशासन यात्रा को रेखांकित करते हुएनागरिक-केंद्रित शासन, समग्र विकास और मजबूत आधारभूत संरचना को प्राथमिकता बताया। उन्होंने राजस्थान संपर्क से शिकायत निवारण, राज-काज एनालिटिक्स से विभागीय प्रदर्शन की निगरानी, मिशन राजीविका से महिला सशक्तीकरण और राज उन्नति से प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं की समीक्षा जैसे नवाचारों का उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एंड-टू-एंड डिजिटाइजेशन, आधार आधारित सेवाएं, सिंगल विंडो सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशासन को नई दिशा दे रहे हैं। वैश्विक इनोवेशन और बेस्ट प्रैक्टिसेज को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाकर आमजन को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी गवर्नेंस उपलब्ध कराना आवश्यक है।

- **वैश्विक सहयोग और युवा भागीदारी पर जोर**

श्रीनिवास ने आईआईएएस और ईजीपीए में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, ज्ञान-विनिमय, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, सस्टेनेबिलिटी तथा युवा शोधकर्ताओं और प्रैक्टिशनर्स की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। सम्मेलन में 70 से अधिक देशों से 900 से ज्यादा शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। वे ईजीपीए स्टीयरिंग कमेटी एवं परमानेंट स्टडी ग्रुप्स को संबोधित करने के साथ ट्रांसअटलांटिक और मेडिटेरेनियन डायलॉग में भी भाग लेंगे।उल्लेखनीय है कि जून 2025 में वी. श्रीनिवास आईआईएएस के अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले पहले भारतीय बने थे। यह लगातार दूसरा अवसर है जब उन्होंने ईजीपीए वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षीय संबोधन दिया है। इससे पूर्व अगस्त 2025 में यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो में आयोजित 50वें वर्षगांठ सम्मेलन में भी उन्होंने अध्यक्षीय संबोधन दिया था।

फर्जी गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट से 12 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, पांचवां आरोपी गिरफ्तार

आकर्षक रिटर्न का झांसा देकर निवेश कराया, फर्जी वॉलेट में दिखाया 9.42 करोड़ का मुनाफा; निकासी के नाम पर भी वसूली

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12,09,65,512 की साइबर ठगी के मामले में राजस्थान पुलिस के स्टेट साइबर क्राइम थाना ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। भोपाल निवासी विशाल शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन एवं एडीजी साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत यह सफलता मिली।

- **व्हाट्सएप लिंक से शुरू हुआ ठगी का जाल**

25 सितंबर 2025 को परिवादी को व्हाट्सएपपर६६६.'ीड्ढ्ढीड्ड'ि.ह्ली३ वेबसाइट का लिंक भेजा गया। ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग में आकर्षक रिटर्न का लालच देकर

निवेश कराया गया। 7 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच परिवादी ने करीब 6 करोड़ जमा किए। फर्जी वर्चुअल वॉलेट में लाभ सहित 9.42 करोड़ दिखाकर भरोसा कायम किया गया।7 नवंबर को 5.02 करोड़ से अधिक निकालने का प्रयास करने पर आरोपियों ने इनकम टैक्स, प्रोसेसिंग फीस सहित विभिन्न शुल्कों के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा करवाई। 10 से 26 नवंबर के बीच कुल 12.09 करोड़ से अधिक वसूलने के बाद न रकम लौटाई गई और न निकासी दी गई।

- **25 लाख की मनी ट्रेल से आरोपी तक पहुंची पुलिस**

जांच में लाभार्थी बैंक खातों के स्टेटमेंट, एओएफ और केवाईसी रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। मनी ट्रेल में 29 अक्टूबर 2025 को ठगी की रकम में से 25 लाख विशाल शर्मा के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में पहुंचने का खुलासा हुआ। क्छखर जांच में उसके पूर्व में साइबर वेस्ट दिल्ली मामले में गिरफ्तार होकर तिहाड़ जेल में न्यायिक अभिरक्षा में होने की जानकारी मिली। प्रोडक्शन वारंट पर जयपुर लाकर उसे गिरफ्तार किया गया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि विशाल ने कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराया था। जांच में उसके खाते का साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में इस्तेमाल होना सामने आया है। उसके विरुद्ध हैदराबाद पुलिस और साइबर पुलिस वेस्ट दिल्ली में भी कार्रवाई हो चुकी है। पूरे साइबर नेटवर्क की जांच जारी पुलिस व्हाट्सएप रिकॉर्ड, सीडीआर, सीएएफ, आईपीडीआर और बैंकिंग ट्रांजेक्शन की मनी ट्रेल का तकनीकी विश्लेषण कर रही है। ठगी की रकम किन-किन खातों में पहुंची और नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

पुलिस की अपील: सोशल मीडिया, व्हाट्सएप या टेलीग्राम से मिले अनजान निवेश लिंक पर क्लिक न करें। गारंटीड या असामान्य रिटर्न के लालच से बचें। निकासी के नाम पर टैक्स, जीएसटी, प्रोसेसिंग फीस अथवा सिक्योरिटी डिपॉजिट मांगे जाने पर रकम जमा न करें और कमीशन के बदले अपना बैंक खाता किसी को उपलब्ध न कराएं।

18 नगर निकायों में नामांकन स्थल निर्धारित, रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति

- **नगरीय निकाय चुनाव-2026 : नामांकन प्रक्रिया के लिए प्रशासन ने पूरी की तैयारियां**

चमकता राजस्थान/जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले के 18 नगर निकायों में नामांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपादित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) एवं कलक्टर संदेश नायक ने रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने निकायों में नामांकन पत्र प्राप्त करने, नामांकन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन से संबंधित सभी कार्यवाही निर्वाचन नियमों के अनुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपादित करने के निर्देश दिए हैं।

- **इन स्थानों पर जमा होंगे नामांकन**

शाहपुरा—उपखण्ड कार्यालय, न्यायालय कक्ष कमरा नं. 10; चौमूं—उपखण्ड कार्यालय, न्यायालय कक्ष कमरा नं. 2; दूदू—उपखण्ड कार्यालय, इजलास कक्ष; किशनगढ़ रेनवाल—उपखण्ड कार्यालय, इजलास कक्ष; जोबनेर—उपखण्ड कार्यालय; बस्सी—उपखण्ड कार्यालय, इजलास कक्ष; सांभरलेक—उपखण्ड कार्यालय, न्याय कक्ष प्रथम; वाटिका—सामुदायिक केन्द्र, कमरा नं. 1; चाकसू—उपखण्ड कार्यालय, न्यायालय कक्ष नं. 7; तथा जमवारामगढ़—उपखण्ड कार्यालय, इजलास कक्ष में नामांकन पत्र प्राप्त किए जाएंगे।इसी प्रकार फागी—उपखण्ड कार्यालय, इजलास कक्ष; नरायणा—राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कमरा नं. 1; फुलेरा—नगरपालिका कार्यालय, कमरा नं. 1; मनोहरपुर—उप तहसील कार्यालय, न्यायालय कक्ष; बगरू—उप तहसीलदार कक्ष, उप तहसील कार्यालय; कानोता—नगर पालिका कार्यालय, कमरा नं. 1; खेजरौली—नगर पालिका कार्यालय, कमरा नं. 1; तथा कालाडेरा—आर.एल. सहरिया पी.जी. महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन का कमरा नं. 24 नामांकन प्राप्ति स्थल निर्धारित किया गया है।प्रशासन ने नामांकन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

एसडीआरएफ मुख्यालय गाडोता में सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

- **कमाण्डेन्ट रेवन्त दान ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश,**
- **जवानों ने स्वप्रेरणा से लिया पौधों की देखभाल का संकल्प**

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी)25 अगस्त। मानसून सत्र के मद्देनजर एसडीआरएफ बटालियन मुख्यालय गाडोता, जयपुर में सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कमाण्डेन्ट एसडीआरएफ रेवन्त दान आईपीएस ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य बटालियन परिसर को हरा-भरा बनाना, पर्यावरण संतुलन बनाए रखना तथा बल के जवानों में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर डिप्टी कमाण्डेन्ट नरेश शर्मा, सहायक कमाण्डेंट जग्गूराम, संजय कुमार शर्मा, दीपक कुमार, उमेश गौतम, रोहित चौधरी एवं अजय कुमार सहित बटालियन मुख्यालय में उपस्थित अधीनस्थ अधिकारियों एवं रेस्क्यू टीम के जवानों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। बटालियन के प्रत्येक जवान द्वारा स्वप्रेरणा से पौधारोपण किया जा रहा है।

» सुरक्षा और देखरेख के लिए विशेष 'ग्रीन टीम' का गठन

पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बटालियन स्तर पर विशेष 'ग्रीन टीम' का गठन किया गया है। यह टीम पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं उनके संरक्षण की निगरानी करेगी। अभियान के माध्यम से एसडीआरएफ परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के साथ-साथ जवानों में पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत किया जा रहा है।

तीजोत्सव-2026 में राजस्थानी कला-संस्कृति की छटा, 1.30 करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भागीरथ चौधरी और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया मेले का अवलोकन

- **दस दिवसीय तीजोत्सव में हस्तशिल्प, लोककला, राजस्थानी व्यंजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बनीं आकर्षण का केन्द्र**

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित दस दिवसीय तीजोत्सव क्राफ्ट एवं फूड मेला-2026 का सोमवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। समापन समारोह में केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी तथा राजस्थान के मुख्य

सचिव वी. श्रीनिवास सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। अतिथियों ने मेले का अवलोकन किया, खरीदारी की और इसे राजस्थानी कला, संस्कृति, हस्तशिल्प एवं खान-पान का अद्भुत संगम बताया।तीजोत्सव में राजस्थान के विभिन्न अंचलों से आए दस्तकारों, हस्तशिल्पियों और महिला स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। मेले में सभी स्टॉलों पर 1 करोड़ 30 लाख रुपये से अधिक की रिक-ॉर्ड बिक्री हुई। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने आर्टिजंस को रिकॉर्ड बिक्री पर बधाई देते हुए कहा कि मेले के प्रथम दिन से ही बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी रही। हस्तशिल्प उत्पादों, राजस्थानी व्यंजनों, सांस्कृतिक संध्याओं और पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।रूडा के सलाहकार ओम

प्रकाश ने बताया कि रूडा की ओर से लगाए गए राजस्थानी हस्तशिल्प एवं परिधानों के 25 स्टॉलों पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। वहीं राजीविका की अनुपमा सक्सेना के अनुसार महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी कलाकारों के 15 स्टॉलों पर हैंडब्लॉक बेडशीट, सूट, साड़ियां, कंगन-ज्वैलरी, मोजड़ियां, लाख एवं चमड़े के उत्पाद तथा राजस्थानी व्यंजनों की खूब बिक्री हुई।मेले में सरस के दुग्ध उत्पादों की भी खास मांग रही और तीन लाख रुपये से अधिक की खरीदारी हुई। विभिन्न जिला दुग्ध संघों की मिठाइयों में अलवर का कलाकंद, बीकानेर के रसगुल्ले व गुलाब जामुन के साथ गाय का घी, छाछ, लस्सी, पनीर और श्री-खंड लोगों की पसंद बने।संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीना ने बताया कि तीजोत्सव में कई वीवीआईपी, विशिष्ट कलाकार और विशेषज्ञ शामिल हुए तथा सभी ने राजस्थान की समृद्ध कला एवं संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करने वाले इस आयोजन की सराहना की।उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त से शुरू हुए तीजोत्सव का शुभारंभ प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया था। मेले में तीज माता की सवारी, प्रसिद्ध लोक कलाकार कुतले खान की सूफी एवं राजस्थानी लोकगीतों की प्रस्तुतियां तथा विभिन्न अंचलों के लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहीं। आयोजन ने राजस्थान की लोक परंपराओं, हस्तशिल्प और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े कारीगरों को दिल्ली में व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा को भी प्रभावी मंच प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

बाल चित्रकारों की प्रतिभा ने बिखेरे कला के रंग, दर्शकों ने जमकर सराहा

- जवाहर कला केंद्र में 100 से अधिक पेंटिंग्स की प्रदर्शनी; करीब एक हजार कला प्रेमियों ने किया अवलोकनः10 कलाकृतियां मौके पर ही बिकीं
- विद्यालय के बाल कलाकारों को मिला प्रतिभा प्रदर्शन का सशक्त मंच,
- मुस्कान, बादल, अरमान आफ़रीदी, प्रियांशी और मंशिका सहित अन्य चित्रकारों की कृतियों ने मोहा मन

चमकता राजस्थान/जयपुर, (खलील कुरैशी), 25 अगस्त। जवाहर कला केंद्र में राजा रामदेव पोद्दार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गांधीनगर के कला विभाग की ओर से बाल चित्रकारों की एक दिवसीय कला प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई 100 से अधिक पेंटिंग्स प्रदर्शित की गईं, जिन्हें कला प्रेमियों और दर्शकों की व्यापक सराहना मिली।प्रदर्शनी का उद्घाटन नोएटिक कंपनी, नोएडा के प्रबंध निदेशक राजीव त्यागी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार फ़ारूक़ आफ़रीदी सहित अनेक कला प्रेमी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे प्रधानाचार्य लक्ष्मण नारायण झा और चित्रकला व्याख्याता ज्योति जैन ने बताया कि बाल चित्रकारों को प्रोत्साहित करने, उनकी रचनात्मक प्रतिभा को पहचान दिलाने तथा उन्हें व्यापक मंच उपलब्ध कराने की दिशा में यह विद्यालय का पहला प्रयास है। प्रदर्शनी को मिले उत्साहजनक प्रतिसाद से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ा।प्रदर्शनी की विशेष उपलब्धि यह रही कि कला प्रेमियों ने विद्यार्थियों की करीब 10 पेंटिंग्स मौके पर ही खरीद लीं। लगभग एक हजार दर्शकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर युवा चित्रकारों की कला प्रतिभा की सराहना की।बाल चित्रकारों मुस्कान, बादल, अरमान आफ़रीदी, प्रियांशी, मंशिका सहित अन्य विद्यार्थियों की कलाकृतियों ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी ने न केवल बाल कलाकारों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता को मंच दिया, बल्कि कला के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की सार्थक पहल का संदेश भी दिया।

नर्सिंग काउंसिल में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ हजारों युवाओं का धरना

- रजिस्ट्रार को हटाने, एसीबी जांच कराने की मांग;
- 7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी
- मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मान्यता, निरीक्षण और पंजीयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान नर्सिंग काउंसिल में कथित भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के विरोध में युवा जागृति मंच राजस्थान के आ''ान पर मंगलवार, 25 अगस्त को शहीद स्मारक पर हजारों नर्सिंग छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने धरना-प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने राजस्थान नर्सिंग काउंसिल की रजिस्ट्रार जोइस कुरियन को तत्काल पद से हटाने तथा उनके कार्यकाल की एसीबी से निष्पक्ष जांच एवं मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।मंच का आरोप है कि काउंसिल में मान्यता, निरीक्षण, पंजीयन सहित विभिन्न प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। मंच ने कथित भ्रष्टाचार से संबंधित दस्तावेज, ऑडियो एवं अन्य साक्ष्य उपलब्ध होने का दावा करते हुए इन्हें निष्पक्ष जांच के लिए एसीबी को सौंपने की बात कही।धरने को राजस्थान प्राइवेट नर्सिंग स्कूल्स एवं कॉलेजेज फेडरेशन, 'मन एंटी करप्शन डेलिगेशन सोसायटी जयपुर तथा सीएचओ फेडरेशन राजस्थान विंग सहित विभिन्न सामाजिक एवं नर्सिंग संगठनों ने समर्थन दिया।युवा जागृति मंच ने चेतावनी दी कि 7 दिवस के भीतर मांगों पर संज्ञान लेकर एसीबी जांच के आदेश और रजिस्ट्रार को पद से हटाने की कार्रवाई नहीं हुई तो एसीबी कार्यालय एवं लोक भवन का घेराव कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। मंच ने सरकार से नर्सिंग काउंसिल की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

कबड्डी अनुशासन, टीम भावना और शारीरिक मजबूती का प्रतीक : राज्यपाल

सीबीएसई कबड्डी गर्ल्स स्टेट क्लस्टर टूर्नामेंट में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

चमकता राजस्थान

- विद्यार्थी शारीरिक क्षमता के साथ बौद्धिक विकास पर भी दें ध्यान, शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतिभा निखारने का आह्वान

जयपुर, 25 अगस्त। (खलील कुरैशी) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मंगलवार को दौसा जिले के महवा स्थित द बोहराज ग्लोबल स्कूल में आयोजित सीबीएसई कबड्डी गर्ल्स स्टेट क्लस्टर टूर्नामेंट में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों एवं रेफरी से परिचय प्राप्त किया तथा टॉस करवाकर मैच का आनंद लेते हुए बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।राज्यपाल ने कहा कि कबड्डी भारत का पारंपरिक खेल है, जो प्राचीन समय में गुरुकुलों में भी खेला जाता था। यह खेल अनुशासन, टीम भावना, साहस और शारीरिक मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आ''ान किया कि वे खेलों के माध्यम से शारीरिक क्षमता विकसित करने के साथ अध्ययन और ज्ञानार्जन से अपनी बौद्धिक क्षमता को भी मजबूत करें उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहते हुए साहित्य एवं उपयोगी पुस्तकों का अध्ययन करने तथा नियमित अभ्यास से अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि कक्षा में शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषयों को एकाग्रता और रुचि के साथ समझना चाहिए राज्यपाल ने शिक्षकों से भी निरंतर ज्ञान अर्जित करते रहने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का निर्माण करना है, जिनमें शैक्षणिक ज्ञान के साथ शारीरिक क्षमता, अनुशासन और सकारात्मक सोच का भी विकास हो।उन्होंने कहा कि आज बालिकाएं शिक्षा और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। कालीबाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि साहस, शिक्षा और शिक्षकों से मिले संस्कारों ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने बालिकाओं से शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़कर उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने का आ''ान किया।

नशा मुक्त टोंक अभियानः

नशीले इंजेक्शन और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में पुलिस का बड़ा प्रहार

टोंक शहर में पांच स्थानों पर दबिश, 04 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्जः07 आरोपी गिरफ्तार;

चमकता राजस्थान

जयपुर !(खलील कुरैशी)25 अगस्त। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलायें जा रहें नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत टोंक पुलिस ने शहर में नशीले पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। डीएसटी टोंक, थाना कोतवाली, पुरानी टोंक, सदर टोंक एवं महिला शक्ति टीम की संयुक्त कार्रवाई में 04 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज कर 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान करीब 02 लाख रुपये की बाजार कीमत की 10.50 ग्राम स्मैक, ट्रामाडोल के 150 इंजेक्शन व 144 टैबलेट, अल्प्राजोलम की 2040 टैबलेट, एविल के 22 इंजेक्शन तथा 800 सिरिंज जब्त की गईं।जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। टोंक शहर में नशीले इंजेक्शन एवं ऐसी दवाओं के अवैध इस्तेमाल और बिक्री की शिकायतों को देखते हुए पुलिस द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में डीएसटी एवं संबंधित थाना पुलिस की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

● कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

कोतवाली थाना क्षेत्र में डीएसटी द्वारा तीन स्थानों पर दबिश दी गई। एक कार्रवाई में पवेलियन ग्राउंड में बने हॉल के पास चार युवकों अदीब उर्फ अद्दू (41) और अख्तर (30) निवासी काली पलटन, कलीम अहमद (32) निवासी लुहारे का मोहल्ला तथा किशन लाल (25) निवासी अंबिका कॉलोनी को कथित रूप से स्मैक का सेवन करते पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। मौके से स्मैक सेवन के उपकरण भी जब्त किए गए वहीं दूसरी संयुक्त कार्रवाई में बड़ा कुआं स्थित आशीर्वाद मेडिकल स्टोर के संचालक पुनीत बदलानी (23) निवासी बड़ा कुआं को बिना खरीद बिल के ट्रामाडोल एवं अल्प्राजोलम की गोलियां बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से ट्रामाडोल की 144 कैप्सूल तथा अल्प्राजोलम की 810 टैबलेट जब्त कीं। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

● पुरानी टोंक में नशीले इंजेक्शन और गोलियां बरामद

पुलिस थाना पुरानी टोंक क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड, अम्बेडकर कॉलोनी में पुलिस टीम ने नरेश कुमार वर्मा (27) को उसके मकान से प्रतिबंधित नशीली दवाएं रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से ट्रामाडोल के 149 इंजेक्शन, अल्प्राजोलम की 86 पत्तियां तथा 12,450 रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

● सदर थाना क्षेत्र में महिला से 10.50 ग्राम स्मैक बरामद

थाना सदर टोंक क्षेत्र में गणेश मंदिर के सामने अन्नपूर्णा डूंगरी से पुलिस ने मौसम देवी (35) निवासी अन्नपूर्णा डूंगरी, टोंक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10.50 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन और 6,240 रुपये नकद बरामद किए। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

● नशे के अवैध कारोबार पर लगातार कार्रवाई

एसपी रोशन मीना ने बताया कि अभियान का उद्देश्य शहर में नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री एवं सेवन पर प्रभावी अंकुश लगाना है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं की सप्लाई कहां से हो रही थी तथा इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राज्यपाल ने दौसा में ली जिला अधिकारियों की बैठक

- बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
- टीबी मरीजों को समय पर मिले पूरा उपचार,
- 'नशा मुक्त दौसा' बनाने के लिए करें प्रभावी कार्रवाई - राज्यपाल

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी) 25 अगस्त। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी की स्थिति, मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई तथा शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए टीबी मरीजों को समय पर पूरा उपचार मुहैया कराने, 'नशा मुक्त दौसा' बनाने के लिए नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।राज्यपाल ने जिले में टीबी की स्थिति की समीक्षा करते हुए वर्तमान में टीबी से ग्रसित मरीजों की संख्या, उनकी औसत आयु और उपचार की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त जिले का लक्ष्य रखते हुए टीबी के प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।राज्यपाल ने जिले में मादक पदार्थों के उपयोग एवं नशे की स्थिति की समीक्षा करते हुए 'नशा मुक्त दौसा' बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं के मन में नशे के प्रति नकारात्मक भावना विकसित की जाए। नशीले पदार्थों के स्त्रोतों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस मादक पदार्थों के स्त्रोत तक पहुंचे।उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को अपने कार्मिकों के स्तर पर भी नशा मुक्ति के लिए पहल करनी चाहिए। शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह रोकने के लिए संबंधित विभाग समन्वय से कार्रवाई करें। पुलिस नशे के नेटवर्क के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करते हुए लगातार निगरानी एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करे राज्यपाल ने जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ जिले में शिक्षा की स्थिति की समीक्षा करते हुए विद्यार्थियों की संख्या,शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, शिक्षकों की उपलब्धता तथा विषयवार शिक्षकों की स्थिति सहित विभिन्न मानकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने और उसे आगे बढ़ाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है।जितने अधिक नागरिक शिक्षित होंगे, उतना ही देश मजबूत होगा। उन्होंने शिक्षकों से 'मैं शिक्षक हूं' की भावना को हमेशा अपने मन में रखते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का आ''ान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे, ड्रॉपआउट न हो और किसी भी स्तर पर पढ़ाई बीच में न छूटे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नीट एवं जेईई में चयनित विद्यार्थियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम

ऑल इंडिया उलमाए व मशाइख बोर्ड की अगुवाई में होगा भव्य इस्तकबाल,

जुलूस-ए-मोहम्मदी के इस्तकबाल की तैयारियां पूरी, चांदपोल में गूंजेगा

हाजी सगीर अहमद उर्फ लल्लू भैय्या ने की ज्यादा से ज्यादा शिरकत की अपील

चमकता राजस्थान

- ईद-मिलाद-उन-नबी पर दोपहर 2 बजे चार दरवाजा से निकलेगा जुलूस,
- चांदपोल में बोर्ड एवं सहयोगी संस्थाओं की ओर से श्रद्धालुओं का किया जाएगा स्वागत

जयपुर। (खलील कुरैशी) पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश के मुबारक अवसर पर बुधवार को जयपुर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। दोपहर 2 बजे चार दरवाजा स्थित मौलाना जियाउद्दीन चौराहा से रवाना होने वाला जुलूस शहर के पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए चांदपोल पहुंचेगा, जहां ऑल इंडिया उलमाए व मशाइख बोर्ड सहित सहयोगी सामाजिक संगठनों की ओर से जुलूस का भव्य इस्तकबाल किया जाएगा।बोर्ड के कोऑर्डिनेटर हाजी सगीर अहमद उर्फ लल्लू भैय्या ने जुलूस में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि जुलूस-ए-मोहम्मदी में शिरकत करना मोहब्बत, अकीदत और भाईचारे का इजहार है। उन्होंने तमाम हजरात से अपील की कि वे जुलूस में शामिल होकर इस मुबारक मौके की खुशियों में शरीक हों और सवाबे दारैन हासिल करें।

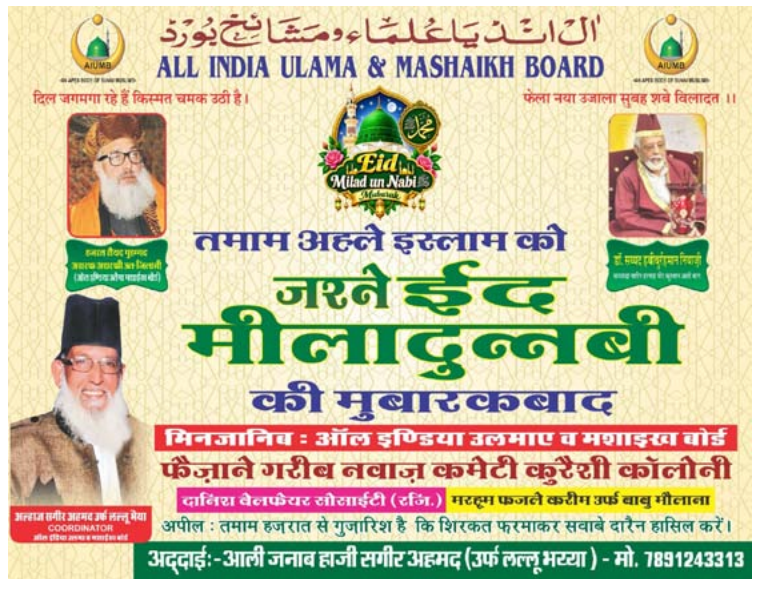

● चांदपोल में होगा इस्तकबाल, पानी शरबत की व्यवस्था

ऑल इंडिया उलमाए व मशाइख बोर्ड, फैजाने गरीब नवाज कमेटी कुरैशी कॉलोनी, दानिश वेलफेयर सोसायटी (रजि.) एवं मरहूम फजले करीम उर्फ बाबू मौलाना की जानिब से चांदपोल में जुलूस-ए-मोहम्मदी का इस्तकबाल किया जाएगा। इस दौरान जायरीन एवं जुलूस में शामिल लोगों के लिए स्वागत, पानी, शरबत की व्यवस्था भी की जाएगी।हाजी सगीर अहमद उर्फ लल्लू भैय्या ने कहा कि यह अवसर पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की तालीमात—मोहब्बत, अमन, इंसानियत और भाईचारे को जन-जन तक पहुंचाने का है। उन्होंने जुलूस में शामिल सभी लोगों से अनुशासन बनाए रखने तथा आपसी सौहार्द के साथ आयोजन में भाग लेने का आह्वान किया।

यातायात व्यवस्था में बदलाव, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम जुलूस के मद्देनजर चार दरवाजा, घाटगेट, जौहरी बाजार, रामगंज और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित डायवर्जन एवं वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।जुलूस के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैंसंवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ सीसीटीवी एवं ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जाएगी।ऑल इंडिया उलमाए व मशाइख बोर्ड की ओर से भी आमजन से अमन, शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ जुलूस में सहभागिता करने तथा प्रशासन एवं यातायात पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई है।

प्रवासी राजस्थानियों से बोले मुख्यमंत्री–बदलते राजस्थान में करें ज्यादा से ज्यादा निवेश

राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स की चरणबद्ध बैठकें होंगी आयोजित, युवा एवं महिला विंग का शीघ्र संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश

चमकता राजस्थान

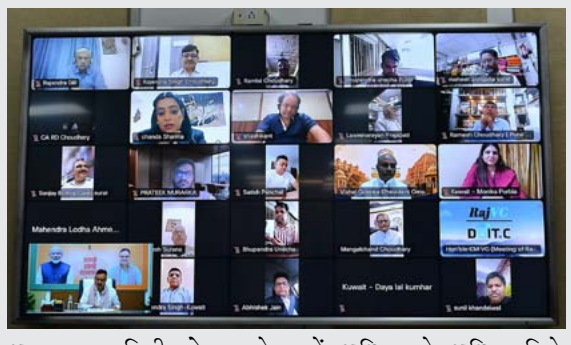

- पानी, बिजली और सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर सरकार का विशेष जोर;
- प्रवासी राजस्थानी दुनिया में फैला रहे प्रदेश की मिट्टी की खुशबू

जयपुर! (खलील कुरैशी) 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए राज्य सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ निवेश प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है।पानी, बिजली और सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में निवेश के लिए आवश्यक सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है।मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राजस्थान फाउंडेशन के अहमदाबाद, दिल्ली, दोहा, पुणे, सूरत, म्यूनिक, कुवैत और मस्कट चैप्टर्स के प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों का आ''ान किया कि वे बदलते राजस्थान में अधिक से अधिक निवेश करें और प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की मिट्टी की खुशबू पूरी दुनिया में फैला रहे हैं तथा अपनी संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक गौरव को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में प्रवासी राजस्थानियों ने मातृभूमि के प्रति प्रेम, समर्पण और योगदान की भावना का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र के अनुरूप राज्य सरकार विरासत संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में शेखावाटी की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण के लिए चिन्हित किया गया है।चरणबद्ध होंगी चैप्टर्स की बैठकें मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश से जोड़ने और उनके साथ निरंतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण कड़ी है उन्होंने निर्देश दिए कि फाउंडेशन के चैप्टर्स की बैठकें चरणबद्ध एवं नियमित रूप से आयोजित की जाएं, ताकि प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव, सुझाव और निवेश संबंधी प्रस्तावों का लाभ प्रदेश को मिल सके। साथ ही राजस्थान फाउंडेशन के युवा एवं महिला विंग का शीघ्र संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि राजस्थान फाउंडेशन के देश-विदेश में कुल 40 चैप्टर्स हैं। प्रथम चरण में आठ चैप्टर्स के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने संवाद किया। मुख्यमंत्री प्रत्येक माह सभी चैप्टर्स से निवेश प्रयासों, सांस्कृतिक आयोजनों और सामाजिक गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट लेते हैं। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रंप के बेटे को कहां मारें...

- 96 करोड़ इनाम', ईरान के सरकारी टीवी पर सनसनीखेज वीडियो

तेहरान। 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हुए अमेरिकी हमले में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। अब नए सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई अपने पिता के खून का बदला लेने की ठान चुके हैं। बदले की भावना से भरा ईरान अमेरिका के खिलाफ ऐसी हर कार्रवाई पर विचार कर रहा है, जिससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका लगे। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को हिलाकर रख दिया है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने ट्रंप परिवार के लिए असामान्य खतरे के रूप में बैरन ट्रंप तक पहुंचने के तरीकों का वर्णन करते हुए एक सेगमेंट प्रसारित किया और 10 मिलियन डॉलर (करीब 96 करोड़ रुपये) के इनाम की घोषणा की। ईरानी सरकारी टेलीविजन के चैनल 3 पर प्रसारित और आईआरजीसी से जुड़े मीडिया द्वारा जारी इस वीडियो का शीर्षक है 'बैरन ट्रंप को कहां मारें।' इसमें 20 वर्षीय बैरन की गतिविधियों का वर्णन और दृश्य चित्रण किया गया है। क्लिप में दावा किया गया है कि उन पर 'पूरी तरह नजर रखी जा रही है।' साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि एक लड़की ने सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एक निजी बैठक में बैरन के बगल में बैठ गई थी। वीडियो में कहा गया कि बैरन सुरक्षा से दूर एक्सबॉक्स पर आवाज और टेक्स्ट के जरिए संवाद करते हैं। इसमें उनके एक्सबॉक्स, फीफा वीडियो गेम और डिस्कॉर्ड अकाउंट्स का भी जिक्र किया गया। पिछले महीने ईरान के सरकारी टेलीविजन ने एक और वीडियो जारी किया था, जिसमें अमेरिकी प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को निशाना बनाया गया था। उस वीडियो के अंत में ध्यान बैरन पर केंद्रित करते हुए सीधी चेतावनी दी गई थी कि यह तो बस शुरुआत है। बैरन ट्रंप, हमारा इंतजार करो। 'मेलानिया को कहां मारें' शीर्षक वाले वीडियो में प्रथम महिला को उनके काफिले में यात्रा करते और न्यूयॉर्क शहर के विभिन्न स्थानों का दौरा करते दिखाया गया। इसमें उन लग्जरी डिजाइनर स्टोरों की भी पहचान की गई, जहां वे खरीदारी करती हैं। वीडियो में सुझाव दिया गया कि ये खरीदारी यात्राएं 'वैश्विक स्वतंत्रता सेनानियों के अभियानों के लिए उपयुक्त' हो सकती हैं। यहां तक कि उनके कपड़ों में नर्व एजेंट से जहर डालने का प्रस्ताव भी रखा गया।

- मेलानिया और बैरन को सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा

मेलानिया और बैरन दोनों को अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की चौबीसों घंटे सुरक्षा प्राप्त है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस, न्यूयॉर्क स्थित ट्रंप टॉवर, न्यू जर्सी का बेडमिंस्टर गोल्फ क्लब और फ्लोरिडा का मार-ए-लागो समेत ट्रंप परिवार की सभी संपत्तियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान ढह रहा है। ट्रंप का ट्रुथ सोशल पर पोस्ट अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट द्वारा फाइनेंशियल टाइम्स में लिखे लेख के कुछ घंटों बाद आया।

मौसमी बीमारियों पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, स्वाइन फ्लू को लेकर विशेष सतर्कता

- चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने की समीक्षा बैठक
- हाई रिस्क क्षेत्रों में नियमित निगरानी और ओपीडी भार के अनुसार स्टाफ नियोजन के निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 25 अगस्त। बारिश के दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस एवं स्वाइन फ्लू की रोकथाम को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को प्रभावी निगरानी और त्वरित चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मंत्री ने हाई रिस्क क्षेत्रों में टीम गठित कर नियमित निगरानी तथा स्वाइन फ्लू की रोकथाम के लिए सघन मॉनिटरिंग, जांच एवं उपचार सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संयुक्त निदेशकों एवं सीएमएचओ को प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ सतर्क रहने के निर्देश दिए।उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में ओपीडी भार के अनुसार चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ का नियोजन करने तथा एक पद पर एक से अधिक कार्मिक नहीं रखने के निर्देश दिए। निर्धारित मानव संसाधन व्यवस्था में कमी वाले संस्थानों की रिपोर्ट तीन दिन में भेजने को कहा।खींवसर ने फर्स्ट रेफरल यूनिट्स एवं ट्रॉमा सेंटरों में आवश्यक तीन चिकित्सकों की ट्रायो व्यवस्था, जांच-दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता एवं उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जहां सीटी-एमआरआई सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां पीपीपी मोड पर सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए।बैठक में हब-एंड-स्पोक मॉडल से जांच सेवाओं, सेतु एप से रेफरल प्रबंधन, टीबी मुक्त भारत अभियान, एचपीवी टीकाकरण, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीसीटीएस प्रसव वॉच एवं आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन की भी समीक्षा हुई। रामदेवरा मेले के लिए आवश्यक स्टाफ एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में एनएचएम सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ममता बनर्जी का भाजपा पर हमला, कहा- सत्ता परिवर्तन के 4 महीने में दिख गया असली चेहरा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीतिक 'संन्यास' नहीं लेंगी और तब तक नहीं रुकेंगी जब तक वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाशिये पर नहीं धकेल देतीं। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर यह भी कहा कि राज्य की सत्ता में बदलाव के चार महीने के भीतर ही लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का असली चेहरा देख लिया है।बनर्जी ने आरोप लगाया कि जनगणना की कवायद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की एक और 'पिछले दरवाजे से की गई कोशिश' है और इसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया। उन्होंने लोगों को जनगणना के फॉर्म पर हस्ताक्षर करने और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले सतर्क रहने को कहा तथा चेतावनी दी कि इससे उनकी निजी बचत तक खत्म हो सकती है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं द्वारा अन्नपूर्णा भंडार वित्तीय सहायता योजना की राशि के वितरण में कथित देरी को लेकर किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच बनर्जी ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार अपात्रता का हवाला देकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बनर्जी ने आरोप लगाया, 'हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लक्ष्मीर भंडार शुरू किया था, लेकिन भाजपा अन्नपूर्णा भंडार का पैसा देने में धर्म और जाति को आधार बना रही है। वह चुनाव से पहले सभी महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना का पैसा देने के अपने वादे का उल्लंघन कर रही है और अब उन्हें धोखा दे रही है।' यादवपुर विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी छात्रों के बीच झड़पों के बीच उन्होंने भाजपा पर परिसर में तोड़फोड़ करवाने का आरोप लगाया और कहा, ''वहां कुछ छात्रों के साथ हमारे मतभेद होने के बावजूद हम उनका सम्मान करते हैं।'' मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि इस कवायद के जरिए लाखों वास्तविक मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फिर से उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगी।

चढ़ावे की चोरी नहीं होने देंगे', बांके बिहारी मंदिर पर एससी की अहम टिप्पणी

नयी दिल्ली। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिया है. कोर्ट ने कहा है कि मंदिर में दान किया गया एक-एक पैसा पहले भगवान के खजाने में जमा होना चाहिए. दान की रकम मंदिर के आधिकारिक ऑनलाइन माध्यम या दान पेटियों के ज़रिए सीधे मंदिर के खाते में जानी चाहिए. चढ़ावे की चोरी नहीं होने देंगे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर से जुड़े सेवायत, पुजारी या कोई और व्यक्ति दान की रकम अपने पास नहीं रख सकता. कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि श्रद्धालु की ओर दिया गया दान भगवान के लिए है. उस पर सबसे पहला अधिकार भगवान का है. मंदिर के खजाने में जमा होने के बाद ही सेवायतों या संबंधित लोगों को उनका हिस्सा मिल सकता है. चीफ जस्टिस सूर्य कांत जस्टिस जोयमाल्या बागची और वी मोहना की बेंच ने वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया. सिंह ने मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही हाई पावर कमेटी की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश की थी. उन्होंने मंदिर से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी कोर्ट के सामने रखीं. उन्होंने कहा कि मामले में बहुत गंभीर समस्याएं हैं. इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. मामले को गंभीरता से लेते हुए कोर्ट ने मंदिर की मैनेजमेंट कमेटी को दान की पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कहा है. कोर्ट ने कमेटी को इसके लिए एक उचित व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया है. इसके तहत मंदिर में आने वाले दान की रकम का पूरा हिसाब रखा जाए. इसमें किसी तरह की गड़बड़ी या हेराफेरी की गुंजाइश न रहे. सुप्रीम कोर्ट ने सेवायतों और दूसरे संबंधित लोगों को कड़ी चेतावनी भी दी है. कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति दान को मंदिर के खजाने तक पहुंचने से रोकने या इस व्यवस्था में किसी तरह की रुकावट डालने की कोशिश करता है, तो इसे बहुत गंभीरता से लिया जाएगा. कोर्ट ने मंदिर की संपत्ति से जुड़े मामलों में भी अहम निर्देश दिया है. आदेश में कहा गया है कि अगर मंदिर के फंड से कोई संपत्ति खरीदने का प्रस्ताव आता है, तो उसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी जाए. कोर्ट की अनुमति के बाद ही कोई लेन-देन किया जाए. यानी मंदिर के पैसे से संपत्ति खरीदने का फैसला अदालत की जानकारी और अनुमति के बिना आगे नहीं बढ़ाया जा सकेगा।

जिला कलक्टर संदेश नायक ने विभागों को दिए समयबद्ध तैयारियों के निर्देश

गणेश चतुर्थी पर जयपुर में रहेगी पुख्ता व्यवस्था, 15 सितंबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

मोती डूंगरी से शाम 4 बजे रवाना होकर गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेगी शोभायात्रा

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 25 अगस्त। गणेश चतुर्थी पर्व एवं 15 सितंबर को प्रस्तावित श्री गणेशजी की शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर परिसर में जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिला कलक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने बताया कि 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर, नहर के गणेश मंदिर सहित शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में धार्मिक आयोजन होंगे। 15 सितंबर को शाम 4 बजे शोभायात्रा मोती डूंगरी गणेश मंदिर से रवाना होकर मोती डूंगरी रोड, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, चौगान चौराहा एवं ब्रह्मपुरी होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेगी।उन्होंने पुलिस एवं यातायात पुलिस को भीड़ प्रबंधन, पर्याप्त पुलिस जाप्ता, यातायात डायवर्जन और पार्किंग की प्रभावी व्यवस्था के निर्देश दिए। नगर निगम को सफाई, कचरा प्रबंधन, सीवरेज, प्रकाश-सज्जा, पेयजल, अग्निशमन और चल शौचालयों की व्यवस्था के साथ वर्षा की स्थिति में एमडी रोड पर जलभराव की तत्काल निकासी सुनिश्चित करने को कहा गया।जेडीए को फव्वारों, डिवाइडर एवं सड़कों की मरम्मत तथा पीडब्ल्यूडी को बैरिकेडिंग और आवश्यक सड़क दुरुस्तीकरण के निर्देश दिए गए। चिकित्सा विभाग को एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम, नजदीकी अस्पतालों में बेड आरक्षित रखने, जेवीवीएनएल को निर्बाध बिजली आपूर्ति एवं ढीले तारों की मरम्मत, पीएचईडी को पेयजल, टोंटी एवं टैंकर तथा आरटीओ को आवश्यक वाहनों का समयपूर्व अधिग्रहण कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। दूरसंचार विभाग को नेटवर्क जाम की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया।नागरिक सुरक्षा विभाग को स्वयंसेवकों की तैनाती, पर्व से पूर्व मंदिरों का फायर ऑडिट कराने, देवस्थान विभाग को मंदिरों में सजावट एवं रोशनी तथा विद्युत निरीक्षक को विद्युत उपकरणों और केबलिंग की जांच कर प्रमाण-पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।जिला कलक्टर ने संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित कर सभी विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा विभागवार तैयारियों की रिपोर्ट निर्धारित समय पर प्रस्तुत करने को कहा। मंदिर प्रबंधन को श्रद्धालुओं के प्रवेश-निकास, पेयजल, सुलभ सुविधाओं, माइक सेट, सीसीटीवी एवं नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

7 से 15 सितंबर तक होंगे धार्मिक आयोजन

मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मंदिर में 7 से 15 सितंबर तक विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। इनमें 7 सितंबर को कलश यात्रा एवं जलाभिषेक, 8 को पंचामृत अभिषेक एवं विशेष झांकी, 9 को मोदक झांकी, 10 को फलों की झांकी, 11 को सब्जियों की झांकी, 12 को फूलों की झांकी, 13 को मेहंदी पूजन एवं सिंजारा तथा 14 सितंबर को विभिन्न आरतियों का आयोजन होगा। 15 सितंबर को शाम 4 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी।बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन, डीसीपी यातायात योगेश बंसल, अतिरिक्त जिला कलक्टर दक्षिण युगांतर शर्मा सहित संबंधित विभागों एवं मंदिर प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गर्भवती पत्नी के सामने ही उजड़ गया सुहाग

- बस ने पति और देवर को बुरी तरह कुचला, हुई दर्दनाक मौत
- बोली- अब कैसे जियूंगी

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में रविवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। बड़ौदा मेव थाना क्षेत्र के शीतल के पास रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों के मुताबिक घायल महिला चार माह की गर्भवती है।जानकारी के अनुसार छांगलकी गांव निवासी अनीश पुत्र आकूब, अखिल पुत्र हाकम और अखिल की पत्नी धोली बाइक से अलवर जा रहे थे। अनीश की तबीयत खराब थी और अखिल व धोली उसे डॉक्टर को दिखाने के लिए लेकर जा रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय निकाय आम चुनाव 2026: जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष ने राजकीय कन्या महाविद्यालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

● ईवीएम कमिशनिंग एवं डिस्पैच की अग्रिम तैयारियों का लिया जायजा; 1-2 दिन में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के दिए निर्देश

डीग, 25 अगस्त। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने की तैयारियों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) मयंक मनीष ने मंगलवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय, डीग में स्थापित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने ईवीएम मशीनों के सुरक्षित संधारण, सुरक्षा प्रबंधों, तकनीकी कमिशनिंग तथा रिटर्निंग अधिकारियों को मशीनों के सुगम आवंटन से जुड़ी प्रशासनिक व भौतिक व्यवस्थाओं का मुआयना किया।

ककनिरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सिविल व सुदृढ़ीकरण कार्यों, विद्युत आपूर्ति, फर्नीचर व्यवस्था, प्रकाश एवं सीसीटीवी सर्विलांस सहित समग्र सुरक्षा घेरे का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस में शेष रहे सभी आवश्यक तकनीकी व आधारभूत कार्यों को आगामी 1 से 2 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए।

उन्होंने कहा केजी समय रहते सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आगामी चरणों में ईवीएम की कमिशनिंग एवं संबंधित आरओ को मशीनों के सुरक्षित डिस्पैच का कार्य निर्बाध एवं समयबद्ध रूप से संपादित हो सके।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र परमार, उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार मीना, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग पवन सोलंकी, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग जगदीश प्रसाद, आयुक्त नगर परिषद डीग कुलदीप सिंह सहित निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं अन्य संबंधित प्रशासनिक कार्मिक उपस्थित रहे।

दिवा फेरीवाला सर्वेक्षण पर दिवा शहर मनसे का ऐतराज; सर्वेक्षण रद्द कर नए सिरे से कराने की मांग

● प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी

दिवा, 25 अगस्त 2026 : ठाणे महानगरपालिका की ओर से दिवा शहर में चलाए जा रहे फेरीवाला सर्वेक्षण की प्रक्रिया में अनियमितता होने का आरोप दिवा शहर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने लगाया है। इसी मुद्दे को लेकर मनसे पदाधिकारियों ने संबंधित महानगरपालिका अधिकारियों से मुलाकात कर सर्वेक्षण प्रक्रिया को लेकर जवाब मांगा।

मनसे के अनुसार, आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं होने के बावजूद कुछ फेरीवालों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। वहीं, कुछ मराठी फेरीवालों द्वारा करीब 20 दिन पहले आवेदन और फॉर्म जमा करने के बावजूद उनका सर्वेक्षण अब तक नहीं किया गया है। इससे सर्वेक्षण प्रक्रिया में पक्षपात किए जाने का संदेह मनसे ने जताया है।

महाराष्ट्र का अधिवास प्रमाणपत्र आवश्यक होने के बावजूद सर्वेक्षण किए गए फेरीवालों से संबंधित दस्तावेज लिए गए हैं या नहीं, इसकी जांच करने की मांग की गई है।

साथ ही, उत्तर प्रदेश का राशन कार्ड संलग्न करने वाले फेरीवालों का सर्वेक्षण किए जाने का दावा भी मनसे ने किया है। मनसे ने पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता की जांच करने की मांग की है।

इस बीच, फेरीवालों से वसूली करने वाले कथित दलाल (रोहित ओझा) के सर्वेक्षण करने वाले कर्मचारियों के साथ घूमने का आरोप भी मनसे ने लगाया है। इसके चलते पूरी प्रक्रिया में आर्थिक अनियमितता अथवा मिलीभगत हुई है या नहीं, इसकी जांच करने की मांग की गई है।

दिवा शहर मनसे ने ठाणे महानगरपालिका आयुक्त से इस पूरे मामले की तत्काल गहन जांच करने तथा सर्वेक्षण के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों की जांच करने की मांग की है। साथ ही, अब तक हुए फेरीवाला सर्वेक्षण को रद्द कर स्वतंत्र और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों की सख्ती से जांच करते हुए नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की गई है।

''मराठी फेरीवालों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे और फेरीवाला सर्वेक्षण के नाम पर किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होने देंगे,'' ऐसा इशारा दिवा शहर मनसे ने दिया है।

हालांकि, इन आरोपों को लेकर ठाणे महानगरपालिका प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है।

स्व. पारसमल लखानी की पुण्य स्मृति में भानु सेवा संस्थान द्वारा आयोजन

मथुरादास माथुर अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित

जोधपुर, चंद्रप्रकाश मेघवाल '

भानु सेवा संस्थान के तत्वावधान में दिनांक 25 अगस्त 2026 को मथुरादास माथुर अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। भानु सेवा संस्थान के प्रतिनिधि एवं आयोजनकर्ता श्री राहुल लखानी ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय पारसमल जी लखानी की पावन स्मृति में 25 अगस्त 2026 को मथुरादास माथुर अस्पताल के अपर सेमिनार हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संस्थान के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में कुल 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

मंगलवार 25 अगस्त प्रात मथुरादास माथुर चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित के हाथों स्वर्गीय पारसमल लखानी के चित्र पर माल्यार्पण कर , पुष्प अर्पित कर एवं दीप जलाकर रक्तदान शिविर विधिवत प्रारम्भ हुआ। स्वर्गीय पारसमल जी लखानी गोपालसर के पिताजी एवं गोपालसर के पूर्व सरपंच बीरमा राम जी लखानी ,, पारसमल जी की धर्मपत्नी संतु देवी, छोटा बेटा

महिपाल लखानी ,अफुला राम एवं भोमाराम लखानी वरिष्ठ अध्यापक सहित कई पारिवारिक सदस्य शिविर की व्यवस्था एवं रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन हेतु उपस्थित रहे। इ कार्यक्रम में उप अधीक्षक डा पुष्पा परमार, नर्सिंग अधीक्षक कंचन रावल,नर्सेज एसोसिएशन एवं कर्मचारी महासंघ के प्रदेश नेता डा सुरेन्द्र डांगी, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन, जोधपुर के अध्यक्ष जगदीश जाट , महासचिव बसंत रोयल एवं संरक्षक रामेश्वर टाक ने सहभागिता कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। उपाध्यक्ष भवानीशंकर नायक, सचिव कैलाश गोयल, माला चौहान, खेताराम चौधरी, तेजाराम परिहार, चम्पालाल, हमीर कड़ेला ने उपस्थित रहकर हौसला अफजाई की। , पुलिस उपाधीक्षक जीवनलाल खत्री, संस्थापन अधिकारी जानकीदास चौहान, प्रशासनिक अधिकारी जीयाराम बारूपाल तथा नर्सिंग एसोसिएशन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता की। सभी रक्तदाताओं का भानु सेवा संस्थान का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया था तथा सभी को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये । कार्यक्रम का संचालन राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर के महासचिव श्री बसंत रोयल ने किया। तथा भानु सेवा संस्थान के संरक्षक दमाराम ने सभी रक्तदाताओं एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

ग्वार की फसल में एंगुलर लीफ स्पॉट रोग का निरीक्षण, किसानों को उपचार की जानकारी

● रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर

नागौर। जिले के ग्वार उत्पादक क्षेत्रों में ग्वार की फसल में एंगुलर लीफ स्पॉट (Angular Leaf Spot) रोग के प्रकोप को देखते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त निदेशक श्री हरीश महेरा संयुक्त निदेशक श्री रविंद्र रियाड़, सहायक निदेशक कृषि श्री शंकर राम सियाक तथा कृषि अधिकारी श्री हरंदर तेतरवाल ने खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किसानों से संवाद कर रोग के लक्षणों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर छोटे, कोणीय आकार के भूरे अथवा गहरे धब्बे दिखाई देते हैं। रोग बढ़ने पर पत्तियां प्रभावित होकर समय से पहले गिर सकती हैं तथा फसल की वृद्धि एवं उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कृषि अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी कि रोगग्रस्त खेतों में अनावश्यक सिंचाई से बचें तथा खेत में जलभराव नहीं होने दें। रोग की रोकथाम के लिए अनुशंसित फफूंदनाशी का कृषि विभाग की सलाह एवं लेबल पर दी गई मात्रा के अनुसार छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 10झ15 दिन के अंतराल पर दूसरा छिड़काव कृषि विशेषज्ञ की सलाह से किया जा सकता है। रोगग्रस्त पत्तियों एवं अवशेषों को खेत में न छोड़ें और आगामी फसल के लिए स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज का उपयोग करें।

अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि खेतों का नियमित निरीक्षण करते रहें और रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही निकटतम कृषि पर्यवेक्षक अथवा कृषि अधिकारी से संपर्क करें। समय पर रोग की पहचान एवं उचित प्रबंधन से ग्वार की फसल को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें और किसी भी रोग अथवा कीट के प्रकोप की सूचना तत्काल विभागीय कार्मिकों को दें।

रियांबड़ी में फ्छढ कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित, नगर पालिका चुनाव को लेकर बनी रणनीति

रियांबड़ी (नागौर)।

25 अगस्त। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (फ्छढ) की ओर से मंगलवार को रियांबड़ी के मेला मैदान में आगामी नगर पालिका चुनाव-2026 को लेकर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठन की मजबूती, वार्डवार तैयारियों तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता फ्छढ नागौर जिला प्रभारी राजू राम खोजा ने की। उन्होंने कहा कि नगर पालिका चुनाव पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रत्येक कार्यकर्ता को पू-री निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने के

लिए कार्य करना होगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से वार्ड स्तर पर संगठन को सक्रिय करने, आमजन से लगातार संपर्क बनाए रखने तथा पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाने का आ''ान किया।

बैठक में प्रदेश प्रभारी दिलीप चौधरी ने संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने चुनाव को अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ लड़ने का संदेश दिया तथा प्रत्येक बूथ पर मजबूत संगठन खड़ा करने की आवश्यकता बताई।

इस दौरान मेड़ता की पूर्व विधायक इंदिरा देवी बावरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को उठाना ही पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने महिलाओं एवं युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

बैठक में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गिरधारी लाल सैनी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि नगर के विकास, पारदर्शी प्रशासन और जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए संगठन के निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।

बैठक के दौरान वार्डवार संभावित प्रत्याशियों के चयन, बूथ प्रबंधन, चुनावी रणनीति, प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क अभियान तथा संगठन विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक मंथन किया गया। कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लिए गए और आगामी चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वक्ताओं ने विश्वास जताया

'सशक्त युवा, सशक्त भारत' अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर, युवा संसद एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित

दौसा।

25 अगस्त। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नालसा जागृति स्कीम-2025 के तहत संचालित 'सशक्त युवा, सशक्त भारत' जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लालसोट रोड स्थित भारती टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में विधिक जागरूकता शिविर, युवा संसद एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संतोष अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अभियान के उद्देश्यों, विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को समाज में विधिक जागरूकता के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने युवा संसद के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय कार्यप्रणाली, जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों पर विचार व्यक्त किए। वहीं बाल विवाह के दुष्परिणामों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर इसके सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं मानसिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।

प्राधिकरण सचिव संतोष अग्रवाल ने बाल अधिकार, किशोर न्याय, निःशुल्क विधिक सहायता, हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के संबंध में भी जानकारी दी। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विधिक जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हुए 'सशक्त युवा, सशक्त भारत' का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल रूपनारायण मीणा, स्कूल निदेशक डॉ. महेन्द्र शर्मा सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

"मेरा पहला वोट–लोकतंत्र के नाम"65 नव मतदाताओं ने लिया शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प

ब्यावर।

25 अगस्त। जिला स्वीप टीम एवं स्वीप टीम ब्यावर के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ फोर्स डिफ-ेंस एकेडमी, ब्यावर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एकेडमी के 65 नव मतदाताओं का तिलक एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को उनके मताधिकार के महत्व से अवगत कराते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान नव मतदाताओं को ईवीएम, वीवीपैट, नोटा, मतदाता सूची एवं मतदान प्रक्रिया सहित निर्वाचन आयोग की ओर से उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न मतदान सुविधाओं की जानकारी दी गई।

● युवाओं का पहला वोट लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वक्ताओं ने कहा कि युवाओं का पहला वोट लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक मतदाता को बिना किसी दबाव, भय अथवा प्रलोभन के अपने विवेक से मतदान करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं मतदान करने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के पात्र मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आ''ान किया।

एकेडमी की निदेशक शांति कंवर ने युवाओं को संबोधित करते हुए मतदान को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदारी बताया। स्वीप टीम के सदस्यों ने भी नव मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया एवं मताधिकार के प्रति जागरूक किया।

● नव मतदाताओं ने लिया सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम के दौरान सभी 65 नव मतदाताओं ने आगामी नगर पालिका/पंचायत आम चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने तथा अन्य पात्र मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का सामूहिक संकल्प लिया।

स्वीप संदेश

''मेरा पहला वोट–लोकतंत्र के नाम''

''एक-एक वोट का सम्मान करेंगे, शत-प्रतिशत मतदान करेंगे।''

नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में जोधपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, चार गोल्ड सहित 10 पदक जीते

● घनश्याम / कुड़ी, जोधपुर,

● बड़ोदरा में आयोजित ओपन नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों ने बढ़ाया जोधपुर का गौरव

जोधपुर।/कुड़ी भगतासनी/बड़ोदरा में 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित ओपन नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में जोधपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल सहित कुल 10 पदक जीतकर जोधपुर का नाम रोशन किया।

कोच शिहान सोहनलाल ने बताया कि दक्ष चोरड़िया ने काता इवेंट में गोल्ड तथा कुमिटे में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। दक्ष पिछले तीन वर्षों से लगातार गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी प्रकार दिशी सिंघल ने काता इवेंट में गोल्ड और कुमिटे में ब्रॉन्ज मेडल जीता। रचना ने कुमिटे में गोल्ड तथा काता इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं सहारा बोहरा ने काता इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

गौरवांशी ने कुमिटे में सिल्वर तथा काता इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। अमोली उम्मेद जोशी ने काता और कुमिटे दोनों इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर वाडो-रियो फेडरेशन के डायरेक्टर सेनसेई प्रभु दयाल, महासचिव शिहान सोहनलाल, अध्यक्ष सेनसेई गौरव भाटी एवं उपाध्यक्ष सेनसेई मुकेश दिवराया ने सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जोधपुर के खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन गौरव की बात है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929